M2396

कविकुलबुरू कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक

हस्तलिखित संग्रह

दाखल क्र. M2396 विषय

नाव ज्ञानेश्वरी शब्दमिमांसा

लेखक/लिपीकार

पृठ 80 काळ पूर्ण/अपूर्ण

M2396

परिभाषा श्रीगणेशायनमः॥श्रीज्ञानेश्वरगुरवेनमः॥श्रीविश्वंभरगुरवेनमः॥रामकृष्ण ज्ञानेश्वरि
खेवणे जउव॥५॥वाणे वानगी॥६॥सपूर बाळिक॥८॥सउकापदर घोळ
॥९॥विसंवादे वगळेपनेमतातरे॥१०॥उन्मेख ज्ञान॥१५॥गुरवती थोरव
॥२२॥अवो जमा माधवि वसंत॥४२॥घनिमूल लगडी॥४८॥शाडु ब्रेल
वेद॥५१॥तलंगे नरुणिपिली॥५६॥उपसाहिला अंगिकारिला॥६५॥टिरी
भुटि वरिवी॥६८॥कुरठा शाहणा॥९५॥असाधारण कार्यिकारण॥९६॥अ
उदर भय॥१०७॥अराईले अनुसरले॥१११॥पन्नासिले रचिले॥११७॥धो
कुले थोडके हूउपन डुल्लरपन विरजा साम्य॥११८॥बेव्हु दांडगा॥१२१॥
अरणि रहुनणि वरगाण वाटनी॥१२३॥भोंगळ ढोल धाकउ वळकट॥१३२॥
विसपोले विरश्रीसपायले॥१३४॥पारिक सेवक॥१४२॥माकव्हयादी
रचस्थान सागपा रुषतिनराहती॥१४६॥वाटिव पुरुषार्थि॥१७२॥अ

१

या आटोपन्यास ॥२०३॥ किडाळ अनुत्तम ॥२४३॥ हिये हृदय ॥२४४॥ चोह
टा चौरस्त्या चीमिळनी ॥२५१॥ वोवांउ तिगोळा होती ॥२५३॥ अल्प विजे बु
उविजे ॥२५६॥ उगउ निर्गम ॥२६१॥ थेकुले थोडे ॥२६४॥ उपहत नाश ॥२७०॥
ईतिप्रथमो ध्यायः संपूर्ण श्रीकृष्णार्पणं ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ अ॰ २ ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ उपनले उपजले ॥२॥ विरमले विराले ॥३॥ अवो
जमा ॥९॥ अपभ्रंश आत्मनाश ॥२०॥ लिंगभेद धर्मचिन्ह भेद ॥२१॥ व्या
जे मिसे ॥२५॥ अहिक्य ऐहलोक ॥२७॥ निक्रियास बरवेपणास ॥२८॥
अहाच उथळ ॥३९॥ मन प्रमाण ॥४०॥ विकरविला विकारास पाववि[ला]
॥४१॥ उपपति युक्ति ॥४१॥ किर निश्चय ॥४२॥ नव निशात नुलन पाजवि
ले लिप्स मारवले ॥४९॥ व्याजे मिसे ॥५२॥ अहाळली हुरपळली ॥६६॥

॥ अ॰ २ ॥

परिभाषा

उजिवण उपजिवण॥६८॥ भाजे चिना भस्म होईना॥७१॥ आयति सामु

ग्रि॥७८॥ उन्मेषाची ज्ञानाची॥७९॥ आगणुक विश्रांति॥८०॥ ग्रहपिशा

च्ये॥८५॥ सरोरव सक्रोध्य बोकले प्रगट नाही॥८८॥ आहाच वरवर॥८९॥ अ

ल्पवित बुद्धिती नागवे न आरोप॥१२४॥ किडाळ अनुत्तम॥१२८॥ अ

यणि पाह लेपण॥१२९॥ निष्कर्ष सिद्धांत॥१३२॥ अपजे वाटे॥१४०॥

नाल्पवे न बुद्धे॥१४६॥ अपेला वस्य॥१४८॥ अविक्रित विक्रय नाही

॥१४९॥ अंतवत नाशिवंत॥१५२॥ अनस्युत अखंड॥१५३॥ पढियासे आ

वडे॥१६७॥ किडाळ अनुत्तम॥१७१॥ रूहले घातले॥१८४॥ पतिकरे अंगि

कारे पडिभ्रे प्रिति आधिक्य॥१९३॥ अउखिजे अउख खिजे॥१९४॥ नावि

ले नाहिले शोचा दुःख खेद आहणा उपमा॥१९६॥ धाडिले गमाविले॥१९७॥

उपहत नाश॥१९९॥ चहुमेरी चहुकडे नअरभिभ्रविजे पराभविजे॥२००॥

घटे घडे॥२०५॥ वाट बळकट॥२१६॥ अनकळित अप्रयासे॥२२०॥ कुटि

तानेश्वरि

२

निंदा॥२१८॥हियेहृदय॥२१९॥प्लवेनौकेन॥२२२॥आउक्खिजेअउरवछिजे
॥२२३॥विपायकदाचित॥२२६॥मुकुलितमोरगम॥२३०॥अचुंबितनिखि
ल॥२३२॥थेकुटीथोडी॥२३६॥अवधिमर्यादा॥२४१॥निरिखिजेअवलोकि
जे॥२३४॥रसोयस्वयपाकधाडितिगमावितिं॥२५०॥अभिन्नूतवस्य॥२४७॥
किरनिश्चय॥२७०॥उन्मेरवल्हान॥२८६॥भुंजेसविति॥२८८॥अपरितोष
असंतोश॥२६९॥उपजेनाआउलपना॥२१४॥सगुणपूर्ण॥२७०॥क
र्मसेषकर्मसाध्यकर्मसाध्य॥२७५॥पारंगतपारगले॥२७७॥निरामयनिरो
पाधि॥२७९॥पारखेलअलरले॥२८२॥नाभिन्नवेवस्यनहोयनागवेनसाप
डे॥२९९॥उवाईलाउत्साहपावला॥आपजेउपजे॥३२०॥उपनलाउपजला॥३२१॥
अल्पविजेबुडविजेबुडविजे॥३२४॥भवेभ्रमण॥३२५॥आर्तिइच्छा॥३१६॥
आहलनाश॥३२२॥विपायकदाचित्पसनेपवडे॥३२१॥निर्झरसराअ
उहरामय॥३२८॥घापतिघालिजे॥३४२॥दुरावलंदुरत्तरभवरा॥३४९॥अया

२

॥आ४॥

परित्राश्रा गोनी सेवाकरोणि ॥१६५॥ थोकडे थोडे ॥१७२॥ कउवसा अंधःकर ॥१७३॥ किजा ज्ञानेश्वरि रे
ळहिन ॥१७४॥ उधवली उरूवली ॥१७५॥ पाणिये समुद्र पल्लपे दग्धहोय ॥१७६॥
असंघडे अघटित ॥१७७॥ माहालेजन सूर्य ॥१७९॥ काटाळे ताजवा ॥१८०॥
उरचुंबित अमर्यादि ॥१८८॥ पाहाले प्रात्यःकाळ जियाले जिवित्व ॥१९२॥ सा
वयाची सहजे ॥१९६॥ उरहिक्य ईहलोक ॥१९९॥ वागुर महजाळ ॥२०२॥
गाडद अंधःकार ॥२०४॥ उन्नति आधिक्य ॥२११॥ खला मळ ॥२०९॥ आयणि
पांहालेपन ॥२१२॥ अभिनवले प्रगटेले ॥२१३॥ थोकडे थोडे ॥२१४॥ रेखाम
र्यादा ॥२१७॥ नावा नावा वारंवार ॥२१९॥ काटोरे रास्त ॥२२२॥ आथिलिया
संपन्नले करोन अशानुक कर्मनुक ईतिचतुर्थोध्यायः संपूर्णमस्तु श्रीकृष्णा
र्पणमस्तु ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥

५

श्रीगणेशाय नमः ॥ ६ वनिल गुप्त ॥ ५ ॥ निर्वाळा उत्तम अतुंबिल अमर्याद
सा विया सहज ॥ ७ ॥ सुखासन पालखि ॥ ८ ॥ कुरुठा घर वसौटा वस्तिस्था
न ॥ १२ ॥ सवेसा स्वईछा ॥ १३ ॥ गोसावि स्वामि से खंति पाहाले प्रकाशले ॥ ३१ ॥
सूतला निजला भुलला भूलला चेर्ला जागला ॥ ४७ ॥ सम्यक ते भ्य ॥ २८ ॥
गमिजे पाविजे ॥ २९ ॥ निमथा मस्तक वहिला सत्वर ॥ ३२ ॥ अधिष्टान देह
॥ ४८ ॥ उजिगरा चळनादिक ॥ ५४ ॥ धुरे पुढे ॥ ६१ ॥ करितेनविन अहंकारे
विन पांग पराधिनत्व ॥ ६५ ॥ कुवाड कठिन ॥ ६७ ॥ सळ द्वेष दळवाउ समु
दाय ॥ ७८ ॥ निरुते खरे ॥ ७० ॥ आंधिला सपंन्न ॥ ७१ ॥ कवासला बांधला
॥ ७२ ॥ वासदृष्टि मूर्ति शरीर ॥ ८१ ॥ नसेरे काळिमा ॥ ८६ ॥ खेचर पिशाच्या
दिक ॥ ९९ ॥ उपाईले उपाय साध्य ॥ १०८ ॥ अळुकेले लुकेले लुष फोडा ॥ ११० ॥
मुकुळि कमळी ॥ ४२ ॥ टाकोनि गवसित ॥ ११२ ॥ अनुकार फण ॥ १६८ ॥ से ॥

५

॥ ॐ आ ५ ॥

परिभाशा स्मृति ॥१४१॥ उरवा आरति ॥१४२॥ उचारीला संतोष ॥१४३॥ यकंधरे यकाकार तोनेश्वरिरि ता ॥१५१॥ स्तुतले निजले ॥१४९॥ अनुसारा अनुस्वर ॥१६५॥ पारिकाळा वि लंब ॥१६६॥ पारुखे राहे ॥१५५॥ विवळ सविस्तार विसुरा विस्मय ॥१७४॥ ध्वनि शाह्द ॥१७५॥ ईतिपंचमोध्यायः॥ संपूर्ण ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ

॥आ॥ ६॥

श्रीगणेशायनमः॥ अउमुउी अक्लेष ॥४॥ सेखंति ॥७॥ आयणि पाहलेपन ॥९॥ शाद्व ब्रेह्म वेद प्ररोरु वहि ॥१२॥ बिक पिक ॥१५॥ कव्हा सगडा ॥१६॥ रेखा मर्यादा वोहणि शाह्द कवित्व ॥१९॥ असाधारण अपार ॥२१॥ प्रतिपति मेजवानी ॥२२॥ निचनवी नित्यनुतन ॥२३॥ पाग पराधिणत्व ॥२४॥ अहा च वरचिली वालिफ गवसनि ॥२५॥ सिनाने वेगळाले ॥२९॥ अनारिसे वेग ळाले ॥४१॥ रागि भोग सक्त ॥४३॥ जनि प्रसवने ॥४४॥ अनुकारे लघुआ

कारे॥४५॥साटोप अहंकार॥४६॥पाईक सेवक विंचंबे भ्रमे॥४९॥धट॥
मोटा लागडा॥५३॥निमथ्या लिरो भाग सोपान पायरया॥५४॥आउ काटे
निशानिने॥५५॥प्रत्याहार अंतरहृदय आधाडा कडा॥५६॥चवरे सेवक
॥५८॥खेव अलिंगण॥५९॥अवसात अकस्मात॥६१॥नाथिला नाहि
तोच॥७०॥चातुस्थळ लयमानी॥७२॥फुडा खरा॥७८॥किउ अग पन्हेरे
साने॥८२॥उहिपुहा होय नव्हे॥८९॥साने लाहान॥९१॥वानिया सुवर्ण॥९६॥
उजरि प्रकार॥९७॥विसरे पदार्थ भांगार सुवर्ण॥९८॥अहाच वाहाच वरचे
वर॥९९॥घापे घाली॥१००॥अनारिसे दुसरे॥१०१॥विपाय उपाये आथी॥
॥१०४॥असाधारण कार्याकारण निष्पन्न निपुन झाला॥१०७॥राहुब्र
ह्न वेदमाजिवटे कदियस्व॥१०९॥आवो जमाभांउ वल वणिजे उदिम
वेसज कर्म आणि व्यसन॥११०॥पडिय आवउला॥११३॥सपलनलळस

परिभाषा

सपातालअडलावचे अलिकडिल॥११४॥अपरिग्रह निर्ममत्व उदासीन ज्ञानेश्वरि ॥१०६॥टाचे लाहन खेव आलिंगण॥११७॥चावळ बोलावि॥१२०॥ चोज आश्चर्य फुडे खरे भाल भा स्वामि भोज कौतुक॥१२३॥कुवासा आश्रय॥१२५॥धर श्रेष्ट पाईक सेवक॥१२६॥हता राने मिसे॥१२७॥भि पुटि आदिम अवसान॥१२१॥पढिय आवडला॥१२०॥अवेग अगिका र॥१३१॥वापे वर्ण चमत्कार॥१३३॥उन्मेष ज्ञान सविया सहजे॥१३४॥ विवळले प्रकाशले॥१३५॥पाहले उदय केला॥१३६॥वोळगा वासेवा करा वी॥१३८॥सेघ चहुकडोन॥१४४॥उरातला वरपडाजाला॥१४५॥अशेष॥ समग्र॥१४७॥महुरपुष्प मोडोन सघन॥४१॥वृंद समुदाय धहिली लव करि आउचि शुशुम्ना मार्ग धोरणु चाल लिवाट॥१५४॥अनुकारल धुआकारे॥१५५॥अपवर्ग आत्मसुख॥१५९॥आरोणुक रमणिय कोउ

७

फ वालिके ॥१६५॥ सावा वो सास्वती ॥१६६॥ वरपश प्राप्त ॥१६९॥ आधि
ष्टान स्वरूप ॥१७७॥ समवाये समत्वे ॥१८५॥ उजरि स्वछता खेवा वेव्हेस
॥१९१॥ ऊरु मांड्या जघन घोटे ॥१९२॥ गुल्फा पार्ष्णि कुंडलि
नी ॥१९८॥ हजौती खालती ॥२०७॥ पारखर बुंधी न्याय सामर्थ्य ॥२११॥
सविया ची सहजच ॥२२१॥ उबारैला संतोषला ॥२१५॥ थावली स्थिराव
ली ॥२१६॥ उजिगरा उदय ॥२२१॥ मोटकी लाहने ॥२२२॥ पन्हेरे सुवर्ण
॥२२४॥ वउवाळि ग्रास आरोगी जेविला ॥२३०॥ वरहाच वरचिल घाउ
स उत्तम भस्त हियेतरय ॥२२१॥ उनकुचे आकर्ष खाचे खचे ॥२३७॥
नाचेक प्रवाहमार्ग ॥२४८॥ तातले तापले ॥२४९॥ पुलिका आकार
॥२४६॥ लोंब शोभा ॥२५३॥ संध्याराग रत्नदिसी ॥२५५॥ निवळि स्व
हुबेगे डुबेळे ॥२७१॥ अधातुरे अर्धभोजन ॥२८०॥ निद्राके

७

॥२८३॥ ध्वनित सकळित उपलविली उकलिली ॥९२॥ पारखा ळिव पक्षा
॥ ळिवनिउार पक्कता ॥२६६॥ नोउी आकार ॥२७६॥ अनुकारे लघुआ
कारे ॥३००॥ ककारांत पाउी पर्वत ॥३०२॥ पाउठी पायरि ॥३०३॥
जवनिक पडदा सटे अभाव ॥३०६॥ भेसळला निसळला दिवो दिवस
॥३१४॥ अखरा अक्षरा फुउे खरे ॥३१६॥ नोकिली पराभविली ॥३२४॥
निष्कर्ष सिद्धांत अनारिसे अन्यथा नावभरि निमिष्यभरि ॥३३१॥ स
विया सहज केणि सवदा ॥३४१॥ अयणि पाहतेपण मविजे मोजिजे ॥३४९॥
मविला मोजिला मवाळ मउु ॥३५०॥ भ्राले मुशारा ॥३५२॥ डुवाउ डुलर
॥६०॥ अउळ अउताळा ॥३६२॥ हिये हृदय ॥३७६॥ वारियरसार ॥३७७॥
उवावो संतोष सावावो सास्यता ॥४१६॥ कांबि सिक्षा ॥४२३॥ सावियो
सहज ॥४३०॥ मोटकी लाहानसी उन्मेरव ज्ञाने ॥४५२॥ सारस्वत राहू ॥४५४॥

पाणिवळे पळे ॥४७१॥ उपलविला उकलैलिला ॥४८०॥ पाल्हाविजेल पेरिजेल ॥४९०॥ वउप उदकसिंचन अपणि पाहालेपन ॥४९५॥ ईतिश्रीअष्टमोध्याय: संपूर्ण श्रीकृष्णार्पणमस्तु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ अ ॥ ७ ॥

श्रीगणेशाय नम: ॥ अपणि पाहलेपन ॥५॥ विपाईला कल्पिल ॥१०॥ ध्वनित अनुमान ॥१७॥ टाक ठसे ॥२५॥ आदिशुन्य माया ॥२४॥ लटी लगाडी माजिवडे मध्ये ॥३०॥ नेसर्गिक स्वाभाविक ॥३४॥ अहाच वरचिल ॥३५॥ वेरवासे विरुद्ध ॥४७॥ जवणिक पडदा ॥६२॥ अय जमा ॥६८॥ अधाग कडाउभउ सरामोठासा ना लाहान ॥६९॥ तुंग उंच ॥७०॥ आवर्ल विस्मास्तार वळसे भोवरे ॥७२॥ वळने बांधी वोभ्रणे येगे वोसाणे फांडीकचरा ॥७३॥ चळिया चांचल्य उकळिया उसाळे चोंटे गत्ती ॥७६॥ अविष अमिष वळे

९

उधरपासवचे मागे फिरणे ॥१७२॥ उन्मेरव सान ॥१८९॥ चालि दाविति ॥१९०॥
नदटति स्यादनेघवे ॥१९३॥ असलग गोडीने ॥१९४॥ फुडि या स्वरे ॥१९५॥
उगाणा उपदेष ॥१९८॥ भोव शोभा ॥२०७॥ हवावा शाह्व कोसल्पलेसा ब
रवेरित ॥२०९॥ ईतिसप्तमोध्यायः संपूर्ण श्रीकृष्णार्पणमस्तु ॥ॐ॥ ॐ॥ ॐ

५

पारिभाषा अथ अष्टमोध्याय॥ ॥ सोप ॥ अर्थ ॥ ६ ॥ पाउ पाउस माहोउ शीरवा ज्ञानेश्वरी

समुदाय ॥ ८ ॥ वागरोनि वाटोनी ॥ १२ ॥ खोकर सछिद्र ॥ १५ ॥ सभर वा

रीक ॥ १६ ॥ विरुळे नमळे ॥ १८ ॥ ढोउ अंकार ॥ २२ ॥ अहाच सिद्धच ॥ २१ ॥

विस्तान प्रपंच ॥ १७ ॥ असमसास असंख्यात ॥ २४ ॥ पाल्लव अंडवस्त्र ॥ २७

वारबारा व्यवहार ॥ ३५ ॥ पन्हरे सोने किउडाक ॥ ३८ ॥ सारखे सारिखे

॥ ३९ ॥ साल मिथ्या ॥ ६० ॥ जवनिक पदैउद्दा ॥ ४० ॥ धनि पाहतेपन ॥ ५४ ॥

से स्मृती ॥ ६० ॥ उभया जिनापउलयामेल्या ॥ ६१ ॥ बिसकुसे अन्यथा ॥ ६६ ॥

कुहा आउ ॥ ६९ ॥ घोघे लघुनाल ॥ ८६ ॥ वोळंबा उधळी देहाचे दिसावे

॥ ८८ ॥ सुसउ साउवळ ॥ ८९ ॥ स्नूनी प्रवेषूनी ॥ ९१ ॥ अहाचबाना वरचेवर

१०

सहज ॥ ९४ ॥ आयणिपाहलेपन ॥ ९९ ॥ मेहुउ माठे ॥ १०० ॥ परिचर पहाची
सपरि ॥ ११२ ॥ अनुवृत्ती स्वच्छन्दवृत्ति ॥ ११३ ॥ लग्नित ऐक्यता ॥ ११५ ॥ वि
पाय कदाचित ॥ ११९ ॥ अनघउ अघटित ॥ १२० ॥ ध्वनी आशंका युक्त ॥ १२२ ॥
निगट शफत सुवोनि घालुनि ॥ १२३ ॥ अगामुक विश्रांती ॥ १२४ ॥ लिग
टले जउले अरवटले ऐक्य जाले ॥ १२५ ॥ पाजरा पिंजरा ॥ १३९ ॥ उपाईली
उपाय करोन काढिलि ॥ १३२ ॥ असाच धरील ॥ १३४ ॥ यकवं
की ऐक्यता ॥ १३५ ॥ भाचो पात्र ॥ १४२ ॥ रिवचु ग्रास आगवटा आकार ॥ १४३ ॥
पण्यागया कंक्रातीन ॥ १४५ ॥ आगवला प्राप्त जाला ॥ १४६ ॥ रवेवआ
लिंगाया मार्दव मृदुत्व ॥ १४७ ॥ भउस उत्कर्ष धवळसा भवरा ॥ १५१ ॥ देला
चे दिवसाचे ॥ १५७ ॥ मोटका थोडासा ॥ १६४ ॥ चोहटा चावटी ॥ १८४ ॥ सु

१०

परिभोग तला निजला ॥१९८॥ आनुवट अंतस्थ ॥२०३॥ माजिवटा मध्यभाग ॥ ताने भारि ॥२०८॥ समवावो समुदाय ॥२११॥ आले व्याप्त उजिले तेज ॥२१३॥ पातेर पायरि ॥२२२॥ आसलग सुगम सविया सहज ॥१२७॥ आउघाली आउमार्गि उघिघाली अउव अरण्य ॥२४०॥ फुउ खरे ॥२४२॥ नागवे गवसत नाहि नाल्मवे अल्मवत नाहि सकवे नो ठकेना ॥२५९॥ सांउने सुताव्याउतारा ॥२६०॥ आतानि व्यापुनि ॥२६२॥ काताळे ताजवा ॥२६३॥ अदृष्ट परलोक ॥२६४॥ इति अष्टमोध्यायः ॥छ॥छ॥ सपूर्ण ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥

॥ ॥विहो भेवोक कोठे ॥५॥ विचुका अस्तो व्यरत्न ॥६॥ पढियावो आ
वडि ॥७॥ भवाहरूप भवा लीत ॥८॥ सारस्वत शाद्व ॥८॥ धुंधुर खद्योलवो
गरु वादु ॥९॥ लुरंबावे लुरा रवोसावा अउ सामावपवाउ पेस ॥११॥ हा
तिवा हालवात ॥१३॥ गंगावलिवनस्पली ॥१४॥ अभार भ्रम ॥१७॥ पढि
येता अवाउला ॥१८॥ चेपवालि दाटनि घापतघाली ॥२०॥ वोथिवावे विघ
रावे माथुलार विचो ॥२१॥ उन्मेख लान ॥२५॥ सारस्वत शीद्व ॥२८॥ साप
रवडी फणासुचिचि बाहुली ॥३०॥ हियेत्हृदय ॥३५॥ निरोळले उत्पन्ने
ण्याचे ॥३९॥ चावळिजे बोलिजे ॥४०॥ भैसखळे भिसळले ॥४२॥ मोटके
थोडेसे ॥४९॥ पाउठि पाउली ॥५०॥ भांगार सुवर्ण ॥६५॥ नावानावा धारंवा
र ॥४२॥ मेर सपनता ॥५०॥ थिनले पिजेल ॥६६॥ पडिसाद प्रतिध्वनी

परिभाषा ॥७८॥ विपाय कदाचित ॥९५॥ परिवर प्रगटस्थळ वसरि लोप्या द्रुव्या तोनभरि
चेपोहर ॥५९॥ देहालेदेह परियंत ॥६७॥ उपपती शास्त्रयुक्ति ॥६९॥ नावे
क किंचित साव‌ळे अस्पष्ट ॥७२॥ भाव्य आश्रय ॥८४॥ टेटे भर अनघ
हृ॥ आरंभ ॥१०२॥ घनावळी मेघपंक्ति ॥११९॥ उपरवा श्रम ॥११५॥ लोक
द्रि राहावी ॥१२५॥ पागिले पसरले ॥१३४॥ बिहा भ्याले ॥१४०॥ मोघ व
था ॥१७२॥ कोल्हारी चित्र बोडंवरि बेगडाचे ॥१७३॥ पवाड प्रसर ॥२६४॥
आरोगण भोजन ॥२३०॥ ललितयाग अह्लाधारक ॥२८४॥ वरिपेउ मा
त्प कपाळ भ्रमे ॥८०॥ उरवालु दाता आहिरज्या ॥१८२॥ जियाली जि
वंत ॥१९२॥ पाहवित प्रकाशित ॥२०१॥ कडसनी विच्यार ॥२०९॥ भोज
कवतुक ॥२०६॥ पाढाउ स्वाधीनता ॥२९२॥ पन्नासिली रचिली ॥२९३॥

१२

सुरवाउ सुखराहटी ॥२१४॥ बो बोली हेलि नाही ॥२१५॥ गुवि श्रेष्ट ॥२२४॥
बुजावणि समजावणि ॥२७४॥ कुळक्रम सुवक्रम ॥२७७॥ शाद्वअं स्तवे
द ॥७७॥ नाव कृपण ॥८७॥ उपरव श्रम ॥३०६॥ उरारोगण भोजन ॥२३०॥
सेजार निद्रासेज त्रई धर्म्म वेदत्रय ॥३२४॥ किर निश्चय उजरि ति
ति ॥२८५॥ लपि याग अलांधारक ॥२८४॥ बोपि अन्न ॥३१२॥ हेळा
वेळा ॥२९१॥ कुहा उराउ ॥३०३॥ उपरव श्रम ॥२०६॥ पन्नासिली रचि
ली निस्ते खरे ॥३१२॥ वोळंगे सेवेस पाईका दासि ॥३२२॥ साबरे
उदक लणि यारे सेवक ॥३२४॥ पातिकर पंगतिचे ॥३२५॥ लोकपा
ळरागेचे ॥ राज्या व्यासम भागे भोगणारे खाचे बराबरिचे खोलनि
ये घोडेगमन करणे ॥३२६॥ पाउठि पायरि उटी उडकण ॥३२८॥ चपुन

परिभाषा॥ येटकवुनय॥३२९॥थिला रवलऽशिदु॥३३०॥त्रेधर्म वेदत्रय॥३३४॥तानेस्वी
उखिले उचिते॥३३५॥वोपले आर्पवा जोले॥३३५॥वाहणि प्रवाह॥
॥३३८॥समवाय व्यापकपण॥३४४॥किर निश्चय॥३४५॥उजरि
रिति॥३४५॥अभिच्यारिक हिंसक॥३५७॥जवनिक पेडहा॥३५९॥आ
थिलेपन संपन्नता॥३६८॥श्रिया सिद्धी॥३७३॥पाईका दासी॥३७६॥
सेजारे पाजे॥३९०॥हातिवो हालवाली॥३९१॥वोणि अन्ने॥३९३॥नि
ष्कव्व शुद्ध॥३९६॥उगाणिले अर्पिले॥४०९॥पाहेचावेव्वु पुढीलवे
ळा॥४०५॥कुरठो वस्तिस्थान॥४०८॥उरालुवट अंतर्भावि॥४११॥
आहाचवाणे वरचेवर पहाडुर॥३८८॥तुरंबावे मरतकीखासावे॥३८८
आरोगुलागे भक्षिता॥३८९॥अवष्टंभ अहंकार साधनपुक्ति॥४१४॥

१३

शेल श्रेष्ट भाग चोहटा चावढी ॥४१६॥ अभिजात्य उत्तम जाती ॥४२१॥ वाळिली दुषिली ॥ आवलोनी चुकाउन ॥४२७॥ चोहटा चोरस्याचा नाका ॥४३१॥ भानेन पात्र योगरिले वाढिले ॥४४०॥ उपरे मोठेपन ॥४५२॥ चाम चर्माचीमोहर ॥४६३॥ खोगे स्थान ॥४७०॥ पाहोळि वेलिंगोत्ले ॥४७८॥ आवलोनि येकिं केउकरोणि नघापती नघालिती ॥४५१॥ निज मने ॥६५॥ केणिवाणि ॥७१॥ वाखती वरतिस्थान ॥४८०॥ अधा अर्धा ॥४८६॥ रथ्योदक चाकोल्या ॥ ज्या च्याचे निपानि शालजर्जर शंभराछिद्राची ॥४९०॥ सुवावे घालावे ॥४९१॥ निकिया बरवेपनोस ॥४९५॥ भेरे गोड ॥४९६॥ खिस खाडोन सिरकापोन खति खांडुकास ॥५००॥ अंगागी आंगे ॥५०२॥ पोहार विस्तार ॥५०३॥ दृष्टादृष्ट ईहलोकपरलोक ॥५०४॥ उवाय संतोसी पडिला पवपुणपे

॥ओवी ९॥

परिभाषा साप संमत ॥५०९॥ गहिंस अज्ञान अविच्यार ॥५१६॥ वाहिला सत्वर ज्ञानेश्वरी ॥५१६॥ व्याज मिस ॥२५॥ कंचुकित मस्तक परियंत ॥५२७॥ कडियाळी जाळी ॥५२९॥ बिवऊ उत्तमभूमि निरोहिले सांगीतिले ॥५३०॥ वोउ साचासे ॥५२६॥ धोकरि चोपरिली वापसा वाचरिचिरवल्ल शोषन ॥५३९॥ ईति नवमो ध्याया संपूर्ण ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ओवी १०॥

विशेद गोप्य बिरुद्दा प्रगट करणार ॥१॥ सारस्वती शद्बाचे ठारी ॥६॥ दैविकि ॥ आपणे देवज पाची नाभिकार अभय ॥७॥ होऊ प्रतिहेते ॥८॥ आथिला संपन्न ॥ भिंग अत्रकिरंग ॥१४॥ पारुषे स्पर्षे ॥१॥ साडेपंधरे सुवर्ण रजत वर्णि रुप्याचे पाणि ममत्वे आपुलेपने ॥१५॥

॥१५॥ जलशायन विष्णु ॥२१॥ उपसाहिजे क्षमाकिजे ॥२२॥ गजरिले
प्रगटसा गीतले ॥२५॥ स्फुटहैत ॥२८॥ शोद्दे ब्रंह्मवेद ॥३०॥ उअभिप्राय पास
हसामुद्र अभिप्राय सहल उनपियसिद्वांत ॥३२॥ उरान उरान वेग
वेवेगळे ॥३३॥ षाटी आगवस्त्र ॥३८॥ उपाईले आरंभिले ॥४०॥ विरुद
प्रगट ॥४१॥ आयघि पाहातपण ॥४५॥ वडप सिंचन पडप शोभा ॥४८॥
दाचे थोडे से ॥५०॥ सुभेर उत्तम भरे ॥५२॥ वाणि सुवर्ण वर्ण ॥५८॥ स
वडि परस विकडी चातुर्य ॥६०॥ खेवास आलिंगवास ॥६२॥ गाभ्र
वेन अंतरस्या लीने ॥७०॥ विपायक दाचित ॥७२॥ बहुडे माघाराफि
रे ॥७३॥ सिंदुरस अनंत डिंब आधातिभा बशेभा ॥७८॥ सिनाानी
येग ळाली ॥८०॥ कउवसा अंधकार ॥८८॥ मानी मनि ॥९४॥ उरंचु

परिभाषा बिल अमर्याद ॥९५॥ वैरी आगे पण ॥१०६॥ चिनाटी या कवेस तीमवेराली ज्ञानेश्वरि
॥१०९॥ रंवगु क्षिणता ॥११०॥ साद ध्वनि ॥१११॥ खेव आलिंगण ॥१२३॥
देवो दिवस ॥१२९॥ शेल श्रेष्ठभाग ॥१३०॥ अपवर्ग मोक्ष ॥१३१॥ उपाईले
उपाये करोण ॥१३२॥ कोउ कवतिक ॥१३७॥ पालास कापुर ॥१४३॥ जोहर ॥
अग्निग्रह ॥१४५॥ धात्रि पृथ्वि कुडे खरे ॥१५२॥ वोतपली उत्पन्न ता
॥१५६॥ धारली मारखली ॥१५८॥ श्रुताधित श्रवणपठन ॥१६८॥ बिजे
साटी फळे येत्यासाटी आटी श्रम ॥१६९॥ विषम रोग ॥१७०॥ ओलोटिले
आभ्यासिले ॥१७२॥ वाविमवावे वाधाने मोजावे ॥१७८॥ आदिसुन
मायाटाकेल साध्य ॥१७९॥ शोच्यता अयोग्यता ॥१८३॥ बापया आनंद
॥१९८॥ चिवळ उकल ॥१९९॥ नाहासी गायणाचे रूप ॥२०३॥ पलिकर सो
बति ॥२०५॥ फुड खरा ॥२११॥ सा बाव सात्म्य ॥२२८॥ पादसे जलचर ॥२४६॥

सिसाळि सिरे ॥२५२॥उगाणा हस्तगत करणे ॥सुआवा वोलावा ॥२६०॥हेळा
वेळा ॥६१॥निर्वचु जाता बोलु जाता ॥उत्प्रेक्ष दृष्टी ॥२६८॥खुहाडा रागा पा
॥२९८॥टीटी निश्चय ॥२०॥अवाराच वरचित ॥३०२॥मविसी मोजसी ॥१६॥
राभ्रस्व हर्षवेग ॥३१९॥सावयाचि सहज ॥३२४॥वाहणि प्रवाही भंगी भा
गी ॥३२६॥वैरैतु वरितानाला ॥३२८॥ध्वनला धरिला ॥३३०॥इतिश्रीद
शमोध्यायः ॥संपूर्ण ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ

॥अ॥११॥

दोहारसी भक्तिभयानक ॥१॥सुखासन पालखी ॥३॥रेवव आळिंगण ॥
॥४॥सोपाने पायरिया ॥९॥पूसा राधी ॥१७॥सारस्वत शब्द ॥१९॥नेवाने
विटंबना ॥२३॥पडप शोभा ॥१६॥नागवे नारोप ॥२७॥पतिकर सो बालिचा
॥२९॥बिहाल्ली भ्याली ॥३२॥सहसा अकस्मात ॥३१॥उराउरि लक्षोक्षावि

परिल्लाशा पाप कराविल ॥३७॥ साध्वसे साधकत्वे ॥३८॥ शोढ ब्रेल वेद ॥४६॥ ज्ञानेश्वरि
यत्हद पउगाणिले उपदेशिले अध्यात्म आत्मज्ञान ॥४७॥ माजवन
उन्मेत द्रव्य ॥४८॥ हेळावेळा तुजपावो निकेचे तुजसि भिन्नकेचे ॥४९॥
घालून उडीघालुन ॥४९॥ चेलत्य जिव ॥६०॥ कुला आउ ॥५५॥ जोहर अ
ग्नि गृह वालर पुरुष ॥६०॥ सुदली घातली ॥६१॥ पाचेपालव मस्तकीव
स्त्र हस्त ॥६२॥ पाबळि निर्जिव ॥६६॥ राउळे घरे ॥६५॥ उगाना उपदेशी धरी
ता लाजा ॥७१॥ खेव आलिंगण विवसि पिशाच ॥७५॥ परतत्व ब्रेल ॥७६॥
किर निश्चय उपनला उपजला अवगणिया गणनेतनाम ॥८५॥ वाउ
धोर ॥८७॥ टाकी पोग्पता ॥९१॥ समस्या शक्ति ॥९२॥ उपक्रम आरंभ ॥९३॥
बापया व्यानकउपखेव श्रमे ॥९५॥ पाहले प्रकाशे ॥९६॥ किर निश्चय क
डजा शाहणा गलिस अज्ञान ॥९७॥ दुराराध्य दुर्लर पाइकिसेवक ॥९९॥

१६

घसाळ उदारत्वे ॥१४॥ पापरा पाय ॥१०५॥ म्हसा रावा ॥१०७॥ वायनी लरकाचया
नवसे वसते स्थान अनारिसे अन्यथा ॥१०८॥ पाउे वस्त्र ॥१०९॥ धादा प्रकार ॥११९॥
जवनिक पउदा ॥१२१॥ से स्मरण ॥१२२॥ सहसा अकस्मात प्रथुरत मोठे
वर्तुळ अप्रात मर्यादारहीत ॥१२४॥ उनीद जागरते ॥१२६॥ उरौद्र क्रोधरहीत ॥१२९॥
आशालगे सुगमे ॥१२७॥ तातले साउपधरे लम्र सुवर्णविर्षा ॥१३२॥ सविया
चि सहजचि चुळकी सुंदरे ॥१३३॥ अनारिसे वेगळे ॥१३७॥ स्निग्धे पक्के ॥१३८॥
पीन कठिन ॥१३९॥ पेबी हेही ॥१५२॥ घसाळ विस्मृति ॥१६७॥ माजिवडा मध्य
॥१६३॥ श्रील लक्ष्मि ॥१६५॥ सापे सांप्रत जिये दिवोनी ज्या दिवसापासोनि ॥१६८॥
सवियाची सहजचि आपेला वस्य ॥१६९॥ पन्नासिली रचिली ॥२००॥ असा
धारण कार्यकारण ॥२०१॥ स्फुटि दिप्ति ॥२०४॥ दादेउ भुजा ॥२०६॥ निरवैरपण
निरपन खिरउला तेजहीन जाला ॥२१६॥ दांग वन याबेटे विश्रांति पावे तुरंबिली

१८

खिरे वागार घोड्याचे कासरे ॥१९८॥ पवाड पर्वत ॥२०२॥ स्वासो स्वोस टाको ॥२०१॥
मठ भांडार घर ॥२०४॥ पाचव निपावन कर्या चव्हसे कोवरे ॥२०५॥ ओठ सोंड
तीन ॥२०७॥ आयतन पात्र ॥३०८॥ निचनवा नित्य नुतन ॥३०९॥ निरते
स्पष्ट उजिने अगटी ॥३१२॥ तालले तापले थोभा थेयास ॥३१४॥ घो स्वर्ग ॥३१५॥
कडियाळी जाळी ॥३१७॥ विपाय कदाचित् उपनला उपजली ॥३२१॥ ध्वनि
तसंकळित फुड खरा ॥३२४॥ बिते भय मानी ॥३२५॥ साविया सहजे भयभि
र भयरहित माहर मार्ग ॥३२८॥ अराव वन ॥३३७॥ सुयान सुकोळ पाडले
प्रकाशले ॥३३८॥ चार सुंदर ॥३४०॥ कलरव मंजुळ शब्द उजिते अगदी ॥शि
तुलखिचा भूतबळी ॥३४३॥ शिहाडे सिंह ॥३४५॥ भिगुळवाने भयानक ॥३४६॥
मोटकी थोडसि पे विपाईली असोच पाहिली ॥३४७॥ तरि नो काकिर निश्चय
सुलले घालीन से ॥३५०॥ वासिपे भंयाले मोथे आहाळ बाहळी अंत वोसि ॥३५६॥

परिभाषा सहसा अकस्मात ॥३५०॥ सा बाबो मामला ॥३५५॥ कोणमाने कशासार सेतानेशः

खकल्लाच विशाकदर ॥३५९॥ सुनि पालुन पन्ना सिले सले अवाद्धहिर

उपा ॥३६१॥ कउवसा अंधकार ॥३६४॥ भोज भरती ॥३६५॥ नोवक का

हिकसे ॥३६८॥ वासिप भयाले पावे ॥३६९॥ सिधा रि तिरस्कार भय ॥६९॥

विपाय कश्चित ॥३७०॥ उपनले उपजले ॥३७१॥ आलुउविले सापउवि

ले ॥३७२॥ मोहक थोडसे जापाणि जापाणि शाकशाक ॥३८१॥ सुये प्राल

॥३८३॥ गोरवा श्रेष्टा ॥३८९॥ वज्रागिनि बिजेचाअग्नि ॥३७७॥ पारोष स

र्वे ॥३८०॥ साविया सास्पलेस ॥३९३॥ अरणि रणनाही थादा समुदायस

भमेसी ॥३९४॥ जावळी समान ॥३९६॥ रहंवर रथ ॥३९७॥ पक बगीय

कदेसी प्रतिकार उपाय माजिवउ अककनार ॥४०४॥ आगवतसे जि

किलेजाले ॥४०५॥ शोचितसे चिंतातुर ॥४०६॥ असि तरवार ॥४१०॥ अ
शोका   कन्हाउट ॥४१४॥ सिसाळे शिरे ॥४१५॥ अगरउी ऑंगवं
रेंवे अग्न ॥४१६॥ कुडी रवरि ॥४१८॥ सोवाणि गणना ॥४२४॥ आगवरवा
आगाचेठाई साका समुदाय ॥४२५॥ आरोगण भोजन ॥४२७॥ पा
ताला प्रातः काळ अवाकुवे तिरज्या ॥२२८॥ सा विया सहजे लौल्य
ल्लिला ॥३१॥ हेकाळ प्रज्वलीतपने रवा रवाते क्षुधिले ॥३४२॥ जोहर
हादच ग्रह ॥४३७॥ सेस्त्र ली ॥४४०॥ भिंगुळवाने भयदायक ॥४४८॥ कु
डे रवरे ॥४२५॥ उधाईला बोलिला ॥४५३॥ आनउलरे ॥४५४॥ वाहार
पुग्न ॥४५५॥ घोपपाली ॥५७॥ जनमा जपास नमा यपर्यंत अठरा ॥४५९॥
वाटीव पुरुषार्थ ॥४६२॥ दासट तिट महुर मागे राहा ॥४६३॥ पेंडवळे मर्या

देवेधुरे ॥४६४॥ रवाला कालउ ॥४६५॥ कोल्ने रिखिचे ॥४६६॥ बगा आ
कार ॥४६८॥ नोवानिगे नामाकित ॥४७३॥ शिहाउ रोउ ॥४७४॥ सा
विया सरे उ उनत न होते माज्नल होत दायाद वेरि ॥४८७॥ मोरके फोउ
स ॥४८९॥ निधन मृतत्सु ॥५१५॥ आयतन पात्र ॥५१६॥ मोल मर्यादा ॥५२४॥
वार्उर वार्टि वारिके सबिचवत्स ॥५२८॥ रवउ वा पर्वत गाडोरा गउ
दोराभरलो ॥५३०॥ बोल्ला दिलि खेदली ॥५४०॥ वनिसारी जागेञ्व
रा वनान्तवनचारो बिम्बवहारिक मुख्य वेल पास ॥५४३॥ रक्लि विनो

पा

उ ॥५५४॥ विपाय कदाचित ॥५५५॥ वोनदी सलगी होउके दाउो
॥५५४॥ प्रसीद असंभलो ॥५६८॥ उरिवले उचिले ॥५७७॥ पाडे वत्स
॥५८०॥ संतु छंदु ॥५८७॥ साद ध्वनि ॥५८७॥ रवव आलिंगण नञ्जकेली

जळक्रिडा ॥५९२॥ घसाळ विसरणार ॥६१०॥ साविंयाची सहजे करो
ण ॥६११॥ सौरस प्राप्ति ॥६१८॥ आथिला संपन्न ॥६२२॥ अवसात अ
केस्मात ॥६२४॥ यसना पवढा ॥६२५॥ अवगणियेचे गपोप वेगळे
जेयाचे ॥६३०॥ अज्ञानपक्षी पक्षजलनाहील्लवाळके अविसारैंके
घर ॥६२४॥ शेल श्रेष्ठभाग ॥६४३॥ आंगार सुवर्ण ॥६६४॥ निशी आलिभ
षण ॥६४६॥ परमाणा पलाकडील साविया सहजे ॥६५२॥ अपांपरि गड
बड ॥६६५॥ जिताने जिवाळपणे ॥६६६॥ मविल मोजिल वांवंवरि स
पावलहोते ॥६६९॥ सुलाडा सुंदरा बोडा रष्टि ॥६७०॥ बुसावणि ल
मजाविषी ॥६७२॥ अवसरु समय ॥६७७॥ वारि परसार ॥६९४॥ त्रि
धालुक शरिर अलोच विच्यार ॥ इतियेकादशोध्य: ॥ संपूर्ण ॥ ९ ॥ ९ ॥ ९ ॥

परि॰ ॥ श्री ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ अनवरत निरंतर ॥ १ ॥ नारि द्रष्टी ॥ २ ॥ परियेदेसी निदे ज्ञानेश्वरी

थापटुनि निजविसी ॥ ५ ॥ प्रत्यक ज्योति आत्मज्योति ॥ ६ ॥ हलरु गानी

बुझाउनि समजाउनि ॥ ७ ॥ सारस्वत राठ ॥ ८ ॥ किर निश्चय निरुते स्पष्ट

॥ २७ ॥ उत्कोहिलि समुदाय ॥ १२ ॥ निधान द्रव्य गव्हणे गुप्त ॥ १३ ॥ नावे

क थोडे से ॥ २८ ॥ कानेउ अवघड ॥ ३१ ॥ पडिभर अधिकाधिक ॥ ३७ ॥ सा

गेउ सारिखे ॥ ३९ ॥ उपकंठी पलिकडे कंठदेशी ॥ ३५ ॥ निचनवी नित्य

नुतन ॥ ३६ ॥ दैवो दिवस ॥ ३८ ॥ ये त्रेतोफा ॥ ५० ॥ चोजवले जानवले

॥ ५१ ॥ बाणुनि घालुनि ककारांत अर्धमात्रास्थान ॥ ५२ ॥ माजिव

डे आटोपले ॥ ४२ ॥ उर्धपली हरपवेली ॥ ४६ ॥ धाटी सुनि घा

लुन ॥ ४७ ॥ सुहाउ जाणला ॥ ४८ ॥ सिसाळे शिरे ॥ ५० ॥ निमथा मस्तक

२०

॥५१॥चौचकी कपाट अडव अर्गळा॥५२॥सुडावधि हात फेले॥५४॥चवरे शिरो भागटाकिले आरोपिले॥५५॥मकारांत कर्पुरस्था॥५६॥विलग उपद्रव॥६१॥वेल्हावने प्रशस्त भोगणे मवाया मोजावा इनिद निद्रा नाही॥६४॥भातार भ्रतार॥६६॥खोलि जल चालि जात॥७१॥सुरयाची सुरिजेई चा उटी टोचने॥७२॥काटि तीर भाला बोटंगले आभरले॥७५॥सन्यासून समर्पून॥७८॥आनोली बेगळी॥१०३॥अनुचुंबित अरवंडित॥१०४॥मोटके थोडेसे॥१०५॥कादल निघल॥१२१॥बोगरुभ्रल वेद थोडके थोडे॥११२॥संज्ञात स्वाधिन॥११९॥डुवाड डुलर॥१२६॥सयति नियम॥१२७॥किर निश्चय असल गुसुगम॥१२४॥पाउठी॥पाउली॥१२७॥खेव आलिंगण॥१२८॥आगवे वस्ते पीप॥१३९॥

पेणे मुकाम माजिवडा मध्य भाग ॥१४३॥ धात्रि पृथ्वी ॥१४९॥ नि
वळा सोज्वळ अनुराग प्रीत ॥१५५॥ पडिये आवडे ॥१५६॥ विपाय
कदाचित् काराळे ताजवा ॥१६९॥ पडियावो आवडी ॥१७०॥ कुवासा
॥ आश्रय ॥१७८॥ टवचवु:ख ॥१८२॥ पवाड पर्इस निरिंधन कावरली
त ॥१८३॥ बाणि निश्चय ॥१८६॥ शोच रोक ॥१९२॥ अकांक्षा इच्छा नघ
टे न घडे ॥१९४॥ मान मर्यादा ॥२०३॥ चंद्रिका चांदणे ॥२०४॥ सनी घालु
न ॥२०६॥ पानि पंक्ति ॥२०७॥ अरायणा विश्रामे ॥२०९॥ पातरवे न दु:खे
॥२१०॥ संचार बाधक ॥२२७॥ प्रणत शरणागत वोळगा चालि सेवा वेति
॥२४८॥ ईति निद्रा टीका (अध्याय:) संपूर्ण ॥१२॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥

सपुर बारिक ॥१७७१॥ सवारिके संकट ॥१७२५॥ येकवदकेली झिंकिली ॥१७३१॥
शाटी अगवरत्र ॥१७३२॥ चिरवा विषय ॥१७३६॥ काढला ॥१७३७॥ वो
टोळिमोगरि वटुमोमरा ॥१७४३॥ पारषके परिक्षपे ॥१७४५॥ वसजे
॥१७४७॥ सारिखे उकळासुत्राचिबाहुले ॥१७६९॥ संजातमिग्रंथले
॥१७७०॥ उवाडउत्तर ॥१७७८॥ ये कुले
॥१७७४॥ त्रिशंकदोरा कफवातपित्त यासे कनिष्ठत्व ॥१७८६॥ उतानी
तापदेता ॥१७९०॥ तालेल तापले ॥१७९१॥ वेकंटे वाकडेपन ॥१७९५॥ मादिया
ळी समुदाय अनवरत निरंतर ॥१७९७॥ वळी अरव बाग ॥१७९९॥
दृष्ट अदृष्ट इहलोक परलोक १८०१॥ दाय हिला पसाय प्रसाद ॥१८०२॥
कुळि नीर ॥१८०३॥ इति ज्ञानेश्वरिपाखिला १८ अष्टादशो ध्यायः संपूर्ण
मस्तु श्रीकृष्णार्पणमस्तु ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥छ॥

॥ऊ॥१३॥

परिभाषा श्रीगणेशायनमः॥ आगव॥ आकळे॥ सारस्वत॥ शद्ब॥ शबोळगन॥ शेवक॥ तानस्वरि
॥२॥ अधिकरण॥ अधिकारित्व॥ उन्मख॥ तान॥५॥ निरले॥ खरे॥९॥ विकार॥ इंद्रि
य आदिकरण॥११॥ अउठ॥ साउलिन॥ मोटके॥ लाहानसे॥१२॥ पकवंके॥ ता
दात्म्य॥ बोभाने॥ बोलने॥१४॥ सेवटा अत्ली॥ भागली॥१५॥ सोपरिक॥ सरखेत्व॥
॥१६॥ त्राप॥ वल्कटपन॥१७॥ नास्तिक॥ जेन॥१९॥ पाफळ॥ प्रलिन्त॥२०॥ वितंड
ताळ॥ यथावाद॥२१॥ अधाधिले॥ भ्याले॥२३॥ व्याजे॥ मिसे॥२२॥ पेटी॥ जोडी॥
॥२९॥ वाफ॥ परायाचि सुवेळ॥३०॥ मविजे॥ मोन्तिजे॥३१॥ उरवित॥ बिन्हाउक
र॥ बलोल॥ आयकरि॥३४॥ पोळ॥ बईल॥ सांजे॥ वह्निवल्वा॥३९॥ लानि॥ बा
रिकयुक्ति॥ अर्थाविना॥ बोलताले नव्हे॥४०॥ सारिले॥ बहुतकापळ॥४२॥
अवसाल॥ अकस्मान॥४३॥ भाटा॥ मोठे॥४५॥ सुरंग॥ विवर॥ सुआरीलेमउ

भविले ॥४९॥ निराळि ॥ ब्रंभि ॥५०॥ मुमुक्षि ॥ मनरचि ॥ पउधारिले ॥ बोलिले ॥
॥५१॥ तढवा ॥ बादवा ॥५५॥ पेके काळे ॥ तारुण्य आदिकरुण ॥५८॥ सिहा
जा ॥ सिंह ॥ दरकुटा ॥ दरि ॥ वाजट ॥५९॥ अउवा ॥ आरण्य ॥६२॥ चवडा ॥ प
ज्या ॥ माजिवडा ॥ मधे रवोलुन ॥६४॥ उरवि ॥ हायनके ॥ पत्रिका ॥ प्रतिहा ॥
॥६६॥ नागोवा ॥ लुट ॥ जगा ना ॥ अनुभव ॥८५॥ पाहलया ॥ उदयजाल्या ॥९३॥
उरवि ॥ होपनके ॥९९॥ सुझ ॥ दिसे ॥ बुझ ॥ समजे ॥८७॥ फुडे ॥ खरे ॥१०३॥
फरारि ॥ नसुन असने ॥१०५॥ खवंग ॥ धरमोगि ॥१०७॥ कुहर ॥ विवर ॥११५॥
खरवर्ण ॥ ग्रा ब्रोच्चार ॥ चक्रमन ॥ चालने ॥ विषमुत्र ॥ मळमुत्रे ॥११९॥ भुतले
भूलले ॥२२॥ बाहुटि ॥ बाहे ॥१२३॥ करणे ॥ इंद्रिये ॥ सुनि ॥ घालिली ॥१२४॥ उ
रवि ॥ उर्मि ॥१४७॥ साजने ॥ सरव्यत्व ॥१४८॥ वाणिवर्ण ॥१५०॥ साने ॥ होस्याले ॥

परिभाषा ॥१५९॥अउवंगी॥अउवाटेबिअग्क॥१६२॥दुवाउ॥दुस्तर॥१६३॥वोवांउ तानेश्वति
लि॥यदुनजाति॥१६४॥सुरंग॥विवर॥१६५॥उलानि॥इछा॥१६६॥मुला
वणि॥समजावणि॥१६८॥उरोडि॥अवरोधि॥१६९॥सुयोन॥सुकाळे॥१७०॥
पारवाळि॥प्रक्षाळि॥वेळाळी॥आकळि॥१७२॥निरुजा॥निरोगी॥१७५॥माचि
उदय॥१७७॥करणे॥इंद्रिये॥१७८॥मार्दव॥मृदुत्व॥१८०॥वळसा॥भवरा॥१८६॥
गरिमा॥अहंपति॥१८७॥से॥स्मरण॥१८८॥सिसाटि॥मस्तक॥१८९॥खव
ने॥जजाव॥१९४॥वासिपा॥भेवो॥१९७॥विजन॥अरन्य॥१९८॥पढियंतो॥
आवडति॥१९९॥नुमस॥नमगटकरि॥२०२॥खडान॥पान्हा॥चोरगाय॥पन्या
गणा॥वेश्या॥२०४॥अवउ॥अरण्य॥२०५॥पांगुरवि॥झाकि॥२०६॥स्फिलि
साटि॥पोटासारी॥२०८॥अवसर॥समय॥२११॥आयणि॥नेत्रईरछा॥२१४॥

२२

अयुर्वेद ॥ वैद्यशास्त्र ॥ २२४ ॥ अउमो डिलि ॥ आउवे मोडिली ॥ २२७ ॥ गवादी ॥
गोदान धर्म ॥ २३० ॥ कदथिले ॥ पिडिले ॥ २३५ ॥ निर्वच ॥ खंडउन ॥ २४० ॥ वाणि यते ॥
सुवर्ण वर्ण ॥ २४३ ॥ लेसा ॥ उत्तमरिति ॥ २४६ ॥ लास ॥ व्यालिमाजर ॥ विजिज
ति ॥ युक्तअसिजेति ॥ २५३ ॥ मार्दवे ॥ मृदुत्वे ॥ नेसितु ॥ ठेवितु ॥ २५४ ॥ लघिमा
॥ कनिष्टता ॥ २५५ ॥ सोल ॥ अंतराय ॥ २५६ ॥ स्वसने ॥ स्वासोस्वास ॥ वासिपल ॥
नेईल ॥ बोवांउल ॥ श्रमेल ॥ २६५ ॥ दुआळि ॥ दुःख ॥ २६६ ॥ विपाय ॥ कदाचित ॥ २६७ ॥
रुपुसके ॥ रुतुसके ॥ वास ॥ सहजे ॥ २७३ ॥ नाभिकार ॥ अभय ॥ २८७ ॥ सिन्ने ॥
वेगळे ॥ २९७ ॥ अवसरि ॥ अपूर्णत्व ॥ २९९ ॥ उबडे ॥ पालथे ॥ ३०१ ॥ साय खेडे
॥ कळाहुत्राचे बाहुल्ले ॥ ३०५ ॥ दलिसुगंध ॥ ३०४ ॥ उदावादा ॥ व्यव्हारास ॥
॥ ३०५ ॥ चेळाउळ ॥ ग्रह ॥ ३११ ॥ व्यातंबोनि ॥ आगेभरोणि ॥ ३१८ ॥ उकी ॥

परिभाषा॥ गारगोटी॥ कासमिर॥ सरस्वति॥ मिडगणे॥ स्तुति॥३१९॥ बाबुळि॥ चिल्हा॥ ज्ञानेश्वरि
॥३२४॥ बोल॥ गाहान॥३२०॥ व्याज॥ मिस॥३२२॥ जिताने॥ वाचने॥३२६॥
उपसाहिले॥ क्षमाकेली॥३३७॥ उन्मेस ज्ञान॥३३८॥ फुउ॥ खरे॥३४१॥ पाठ
पेंले॥ आवडने॥३४२॥ वासिपे॥ भिये॥३४६॥ दोषे॥ उदेशी॥३५४॥ नालोचि॥
नपाहे॥३६०॥ जोगावने॥ सेवने॥३६३॥ मिनधि॥ कपटि॥३६४॥ पाचे पालव
अन्तःकरणादिक॥३६५॥ उरवि॥ ऊर्मि॥३७२॥ बिजे॥ पने॥३७५॥ पायकी
॥ व्याकरि॥३८३॥ भराडा॥ पुजारि॥३८९॥ सुजे॥ भोगी॥३९०॥ अनुराग॥
प्रिति॥३९१॥ लुब्धिका॥ पलंग॥३९२॥ वडप॥ शिंचन॥३९८॥ गोसावी॥ स्वामी
॥४०४॥ उपकरति॥ कार्योपयोगी॥ उपद्रपि॥ साहित्यपाचे॥४०६॥ चातुर्दि
क्ष॥ चहुदिशा॥ चेमयादे आलील॥४१०॥ पाजरा॥ पिंजरा॥४११॥ पाउवा॥ पादुका

२४

वारिपन॥सेवकपन॥४१६॥खोल्लत॥द्रिवग॥४१७॥सागळ॥विकृदानी॥
नेपाळ॥निपटनार॥पडिधा॥मंचक॥४१८॥हउपि॥विजदेनार॥बोल्लग
न॥सेवाकरिन॥उल्लिग॥साहित्य॥४१९॥सुथारु॥स्वयपाकी॥४२१॥अ
रोगिति॥जेविति॥पानिकर॥पंगतिचा॥२२॥संवाहन॥सेवा॥४२३॥
बोल्लगेच॥सेवेचे॥४२४॥अस्रोणि॥समुदाय॥४२६॥लणियाचेनी
॥सेवेचेनि॥साजा॥पुष्ट॥४२८॥उलकों॥लमनि॥उबंबलिमनी॥४५१॥
आवो॥वरक्ति॥४५३॥वोल्लगे॥सेवेस॥४५९॥विजल्लि॥डाग॥४६५॥दि
मा॥मुलमा॥४७०॥कुडा॥खोटा॥४७१॥वलु॥डाग॥४७३॥कुडे॥खरे॥
॥४८०॥हरव॥तोंडव्वा तिललखजा॥४८२॥धातिप॥भये॥४९२॥अर्ति॥
पिडा॥४९३॥हाला॥हलितिला॥पासाचना॥माघेपाय॥रोली॥श्रेष्टस्थे॥

परित्राण ॥ झेलिला साता॥ बहुत पिडिला होता साता॥४९९॥ ईसा ॥ अलराक्षेस॥ दंदी तानेश्वरी
॥ दाहाच्या वैरि ॥ वटुक ॥ लोभी ॥५०१॥ शियारि ॥ लावडी ॥५०४॥ बाहेरधी
ट॥ ज्यारिणि ॥ दुटुण ॥ विशेष॥ कवासी ॥ वस्यकरि ॥ टहणि ॥ सेवा ॥५०५॥
सचेतनि ॥ स्वरूपि ॥ थानेपने ॥ उत्तमपणे ॥ करणे ॥ ईद्रिय ॥ धुसोन ॥ सम
जेना ॥५०६॥ ठायां तरि ॥ स्थ्वामध्ये ॥५०७॥ बिजो ॥ उत्पत्ति ॥५१०॥ नाग
वे ॥ नघवे ॥५१४॥ कालसे ॥ रोउ ॥५१७॥ विजन ॥ आप्ये ॥५१९॥ नारा
जा ॥ तीर ॥५२०॥ कुहिले ॥ पिसिल ॥ सउलेमास ॥५२१॥ अवष्टंभ ॥ अलंका
र ॥५२८॥ उरिव ॥ उमि ॥५३०॥ लेष ॥ चित्र ॥५३२॥ से ॥ स्मरण ॥५३३॥
अनारिसे ॥ अन्यथा ॥५३४॥ कलुष ॥ पालक ॥५३५॥ उपसर्ग ॥ उपाधी
॥ वोथंबा ॥ साक्षि ॥५३६॥ कोंत ॥ भाल्याचफळे ॥५३८॥ जचे ॥ दुःखवाहे

२५

॥५४४॥ काखे ॥ कंबरेस ॥५४५॥ उरावो ॥ साहित्य ॥ वोडन ॥ ढाल ॥ सु
ईजे ॥ घालिजे ॥५४६॥ पाहेचा ॥ उघ्याचा ॥ पेणा ॥ मुकाम ॥५४७॥ वोड
कौतुक ॥ कुहा ॥ आड ॥ पेण ॥ घातक ॥५५०॥ केळवली ॥ विटाळलि ॥५५१॥
फुल्ल ॥ पाथिपुष्प ॥ करहा ॥ उट ॥५५७॥ चोढिये ॥ खोलपाणि ॥ हाडखाई
र ॥५४८॥ अरवर ॥ गोठान ॥ बुरि ॥ चोपडे करि ॥५५८॥ ईसाळे ॥ थिरथाने
॥५५९॥ वोमथलि ॥ बोलोजाली ॥ सिनसाळे ॥५६०॥ बोलि ॥
मोरि ॥ परडे ॥ प्रवाह ॥ उल्हालि ॥ वाहलि ॥ खालवंडे ॥ अंबट ॥ लिखट ॥
खारट ॥५६२॥ मोळे ॥ बरडे ॥ खोडी ॥ हाडी ॥५६७॥ गरावा ॥ जउ ॥५६८॥
बांगडी ॥ गारोडपा चमर्करा ॥५७०॥ खोकरे ॥ पोकळ ॥ निधन ॥ मृत्यु ॥
॥५७१॥ उभ्रळि ॥ खोकल्या चित्र भळ ॥ उलिगरा ॥ बोभाट ॥५७४॥ पाहा ॥ पु
ट ॥५७७॥ मोटके ॥ थोडसे ॥५७९॥ सचले ॥ स्वाधिन ॥५८२॥ कोळे ॥ निळ

२५

॥अभा९३॥

परिमाण चिसाडे॥५८५॥ नागवे॥ नवस्पहोय॥५८६॥ पडिघालि॥ पडति॥५८७॥ उं ज्ञानेश्वरि
डि॥ मांसग्रास॥५८८॥ मुलि॥ घालिति॥५९०॥ उरिवना॥ वाटसरु॥५९२
मात वे॥ ढोरे॥५९६॥ पुंसा॥ रावा॥ पांजिरा॥ पिंजरा॥५९८॥ धात्रि॥ प
ख्वि॥५९९॥ कोरा॥ अमल॥६०४॥ धोते॥६११॥ जनपद॥ मनुष्या
चिवस्ति॥६१२॥ निराम॥ स्पष्टता॥६१४॥ निष्कर्ष॥ सांडुंत॥६२०॥ उ
न्मेष॥ लाने॥ अथिला॥ संपन्न॥६२१॥ अउसो॥ रवोवं बा॥६२३॥ वो
उप॥ समागम॥६२६॥ भादी॥ गरिब॥ साजवने॥ दोहने॥ खुरतोडी॥
६३७॥ पोजलु॥ मो जिजेलु॥६४०॥ रससोय॥ अन्न॥६४२॥
कोडि॥ संख्या॥ सेस्मलो॥४५॥ माजघर॥ मध्यघर॥६४६॥ वाग्मि॥
बोलने॥६४८॥ देवो॥ दिवस॥६५४॥ मांगळि॥ मंगळकारकनो॥ कुचा

कुचा॥ ध्वज॥५८॥ सुपे घाली॥ डागोरा॥ दंवडि॥ स्फिलि॥ पाटासाटी
॥६५९॥ साबळ॥ मोठीपाहार॥६६२॥ वळसा॥ भवरा॥६६५॥ जिवेसा
टि॥ द्रव्यहरणासाटी॥६६८॥ जोगावने॥ तृप्तिकरणे॥ विरु॥ दारुण
॥६६९॥ उभजे॥ कोटाळे॥६७२॥ अडवे॥ अरण्य॥ कुहा॥ आड॥७७॥
ठाके॥ राहे॥६७९॥ वरवंडा॥ पाळबांधिलि॥६९३॥ पउव वाळा॥ धुरा॥६९५॥
वसा॥ बैल॥ पाहु॥ पाण्याचालोट॥ निरंजन॥ वन॥६९७॥ अडे॥ आड
वे॥६९९॥ वानाळि॥ धर्मशाळा॥ उभले॥ उभविले॥७००॥ जेचे॥ श्रेम
॥२॥ कुहिले॥ सडले॥४॥ फटोनि॥ छिणहोउणि॥७॥ देवलसि॥ लुता
चेदेव्हारेकरणार॥७१५॥ पुटल्याचे॥ दुसऱ्याचे॥१८॥ आंबुथे॥ प्रदिप्त
ता॥७२२॥ अर॥ अजगर॥२४॥ फोडीस॥ पिशाचे॥७२५॥ लुतिजनि॥
गाळितकुष्ट॥७३१॥ करारि॥ नसनअसने॥७२६॥ गोरि॥ पारध्याचे॥

परिभाशा यन॥७४९॥ स्लपन॥ उदकशिंचन॥७५०॥ कडाडि॥ पर्वतिदरउ॥७५४॥ तानेस्वरि
अउवोहव्व॥ अल्पनाले॥७५५॥ बागिबव्व॥ बाकउपन॥५६॥ साउव्व
शुल्लता॥ शाय॥ प्रयास॥७५७॥ मिगव्वे॥ चिपउपातिलागोन॥७५८॥ पा
हिचे॥ पुढेचे॥७५९॥ उरउव॥ अरण्य॥ वसो॥ बेल॥७६३॥ नास्तिक॥ ना
हिसा॥७६४॥ सपिलि॥ समूव्व॥७६६॥ उजरि॥ निमिष॥७६७॥ सवव्वे
सकाव्व॥७६९॥ उवाये॥ संतोष॥ सावाये॥ सास्थलता॥७७१॥ भोरी॥ घारि
॥७७४॥ जचे॥ श्रमे॥७७६॥ उपाईले॥ उपायप्राप्ते॥७८७॥ खाचि॥ लोडी॥
बायणि॥ कराव॥७९४॥ जोगावणुक॥ पाटभरउअन्न॥७९८॥ वेरवा॥ वेषा
से॥ स्मरलि॥७९९॥ लरि॥ नाव॥८०४॥ वोरवलि॥ चसे॥८०६॥ नाटली॥ जा
रणि॥८०८॥ पाउठि॥ पायरि॥८०९॥ दी॥ दिवस॥८१७॥ चावदसि॥ चतुर्दसि
॥८१८॥ जोगावी॥ लक्षिकरि॥८२०॥ दारि॥ वेश्या॥८२१॥ जैरवाय॥ लिरस्का

२८

रये॥८२५॥आगम॥वेद॥अफाविले॥स्वाधिनकेले॥८३०॥सुसे॥दिसे॥बु
से॥समजे॥८३१॥पाईकि॥चाकरि॥८३२॥धात्रि॥पृथ्वि॥८३४॥पाधावने॥
वर्ह्लावा॥८३७॥रवांचे॥छेदुन॥८४४॥प्रन्नत्ति॥बहुरोढ॥८४९॥उपलवणि
उपलक्षणे॥गरुरि॥वर्णणि॥८५५॥साविपांचि॥लहजचि॥८५७॥नि
र्वळिलेनि॥उमभजालेणि॥८६२॥निष्कर्ष॥सिद्धांत॥८८४॥अवळ॥
खेळबा॥८८८॥सुहाउ॥सुंदरा॥८९५॥वेटोळे॥सापडे॥अये॥अ
कार॥८९७॥फुडि॥खरि॥८९०॥भवरी॥अंळकार॥२॥प्रकृति॥बहु
शाढ॥खोमने॥चक्रत्ता॥९१६॥वहि॥सिमा॥९२८॥सुहाउ॥सुजाणा॥
॥९३९॥अयणि॥लक्षि॥९४९॥कउ॥पर्वतिदरउ॥माचु॥माळा॥नरि॥
नाव॥९४७॥देवो॥दिवस॥९५९॥जवेट॥जोउ॥९६१॥आधी॥मनोवेथा॥९६८॥

२८

परि०आ०२॥ त्राप॥ वल्कल॥९७२॥ निर्वाळिते॥ उत्पन्न होंन्नेतें॥९७५॥ असंघडि॥ अघारि ज्ञानेश्वरि
तें॥ अनुलि॥ प्रवृत्ति॥ अमुल॥ पुरुष॥९७८॥ पेंधा॥ पायनाहीन॥९८०॥
उमप॥ पुष्कळ॥९९०॥ वेंव्हाउळ॥ घर॥९९४॥ गोंधळि॥ पिशाच्य॥१००१॥
उसास॥ सुखदुःख॥ अंतुरि॥ रात्रि॥१०१३॥ विद्ळ॥ डाक॥१००६॥ लाल
ले॥ लापेल॥१०१५॥ लोहिखा॥ लो वडे॥१०१७॥ वोथंबा॥ सिवलसाक्षी
॥१०२१॥ वरेलु॥ वरहेलु॥१०२४॥ कीट॥ डाकलग सोने॥ वानी॥ सोने॥१०३७॥
बेगे॥ पाहे॥१०३९॥ अरखरा॥ अक्षरा॥१०४४॥ खाचु॥ खंड नकरु॥ निर्वेचु
॥ बोलु॥१०४९॥ महत्ब्रह्म॥ माया॥ गोसावी॥ स्वामि॥ मवी॥ मोजी॥१०२८॥
उजु॥ नीट॥१०६१॥ घोकौटी॥ घोषकिर्त्ति॥ पाचवेंगळि॥ पाचविंतु॥ ह
रणि॥ हरणकराचा॥ पाची॥ कुटि॥ दरि॥१०६९॥ वोथंबा॥ सादि॥१०८१॥ लार॥

२८

तार ॥ १०८६ ॥ पीस ॥ पंख ॥ १०९८ ॥ पंचत्व ॥ मृत्यु ॥ ११११२ ॥ मवेना ॥ मोजवेना ॥
चेर्वेना ॥ वर्णवेणा ॥ १११३ ॥ उरनस्तुती ॥ अखंडपने ॥ १११५ ॥ भ्रामक ॥ लोह
चुंबक ॥ १११२२ ॥ उरवि ॥ उर्मि ॥ १११३७ ॥ उगाणा ॥ उपदेश ॥ १११४३ ॥ उतानी ॥
ईच्छा ॥ १११४७ ॥ उंबुथिली ॥ पुरितकेला ॥ १११४८ ॥ सारस्वन ॥ राहु ॥ १११६४ ॥
सावाये ॥ साहेतेने ॥ १११६५ ॥ कास्मिरि ॥ सरस्वती ॥ १११६७ ॥ ईति त्रयोद
शो ध्यायः ॥ संपूर्ण ॥ श्रीस्वछार्पणमस्तु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ उसा १४ ॥

श्रीगणेशायनमः ॥ खुहावया ॥ उभविनार ॥ २ ॥ विशद ॥ गोप्य ॥ ३ ॥ मुग ॥
मोन ॥ ११ ॥ खुई ॥ घाली ॥ १९ ॥ याजटा ॥ २६ ॥ विन्यास ॥ प्रशस्तबोली ॥ वि
ठ्ठदे ॥ प्रगट ॥ २९ ॥ जानी ॥ जेंगा ॥ ३० ॥ माल्ले ॥ भिल्ला ॥ ३१ ॥ चावळले ॥ बोलि

ले ॥ ३२ ॥ अलिपलि ॥ वेगळाले ॥ जो हारिजे ॥ धा खाणिजे ५१ ॥ फुडे ॥ खरे ॥
॥ ४४ ॥ काटाळे ॥ लाजबा ॥ उरा ॥ नोहे तं ॥ ५२ ॥ वारि ॥ पर हार ॥ ५६ ॥ सपा
ई ॥ सम्रळ ॥ उगालला ॥ प्राप्त जाला ॥ ६१ ॥ लुब्धक ॥ पारधी ॥ ६४ ॥ महं
ब्रंह्म ॥ माया ॥ ६७ ॥ किरा ॥ नीश्चय ॥ अनारिसे ॥ वेगळे ॥ ७७ ॥ बाजु
नाव ॥ ७९ ॥ बुस ॥ समज ॥ नेसर्ग ॥ अन्तोलर ॥ ८१ ॥ उपलउ ॥ उकलु ॥
॥ ८६ ॥ गुर्विन ॥ गर्भिन ॥ ८९ ॥ अभिव्यक्ति ॥ अकार ॥ ९२ ॥ गोसी ॥ पर
स्परे संबंध ॥ ९३ ॥ रुख ॥ वृक्ष ॥ आवाका ॥ सामर्थ्य ॥ खेबा ॥ वेळे ॥ ९५ ॥
आर ॥ अंकुर ॥ ९६ ॥ आय ॥ संचय ॥ ९७ ॥ उससे ॥ उल्हासे ॥ खुनि ॥
घालुन ॥ १०० ॥ विरजि ॥ साहेतेने ॥ साजि ॥ सज्ज ॥ १०२ ॥ नितंब ॥ मांड्या ॥

॥१०५॥ किळ॥ लज॥ २३॥ निर्वाळ॥ उमग्न भाग॥ १२६॥ उखिले॥ यकंदर कुंजा॥ १२७॥
सावियाः॥ सलजे॥ घुरे॥ कनिष्ट॥ १३९॥ किड॥ डाक॥ पाचिक॥ आटनी॥ १४७॥
मोटका॥ थोडसा॥ ४६॥ सुति॥ घालनी॥ ४७॥ लुब्धक॥ पारधी॥ खुटके॥
अटके॥ ४९॥ लाकन॥ बंधन॥ १५१॥ कानी॥ हाेवे॥ १५७॥ अंबुमखानी॥
सिचनकरोणि॥ अंगियाळे॥ अग्निकुंड॥ वज्राग्नि॥ विजेचा अग्नि॥ सा
डुकल॥ नुतन पटविले॥ पकुले॥ प्याउ॥ १६१॥ देवो॥ दिवस॥ ६८॥ चोख
रि॥ चहुकडोन॥ १७६॥ माल्हाति॥ अंगिकारि॥ दाढर्या॥ दढत्व॥ ७८॥ ढाढी॥
दगड॥ १८१॥ स्नासुरता॥ आळसयता॥ १८३॥ पाडघाय॥ टेकन॥ शिरिया
ळे॥ आसन॥ १८४॥ योघे॥ वोघ प्रवाह॥ कल्लाना॥ कलरकर्त्ता॥ १८७
ओजे॥ कोतुक॥ कुड॥ खवे॥ निधन॥ मरसु॥ २१२॥ सुयाने॥ सुकाळ॥ परगुणे

परिभा॰ ३॥ पाहुनेर॥पढियते॥आवडते॥२१५॥जावळी॥जोडा॥२१६॥कोंपट॥तणझो लानेश्वरि
पडी॥१७॥पाजरली॥पिंजारली॥२२७॥सोडी॥मागे॥२३४॥घापे॥घाली॥२५॥
उन्नति॥वृद्धि॥२४२॥लिंगो॥चिन्हे॥४३॥मचवना॥हरिसनये॥धोंडी॥
मोवाहगउ॥४६॥दुदुळ॥हिवाम्मित॥४९॥करण॥इंद्रिये॥२५०॥माल्हाति
जे॥अगिकारिजे॥माजिरा॥मच्च॥५२॥खांगे॥स्थान॥रिवचेटे॥अन्न
॥२७२॥अनुकेर॥अनुसर॥७५॥हुवा॥हाकि॥यावाटेच्या॥यागोष्टि॥
॥७८॥आवर्गे॥आकारासये॥२८०॥सांडमे॥प्रवृत्तिवाढे॥खोमे॥क्षिपे॥
॥८४॥हिरेफु॥भ्रमर॥८५॥विचि॥तरंग॥३०४॥निरुता॥स्पष्ट॥नागवे॥
नसापडे॥२०६॥बागडि॥मारोड्याचेकर्मदे॥३०१॥अनोजे॥वेसालुन॥
वेष्टुन॥३२६॥श्री॥ऐस्वर्य॥माडु॥आढ्यता॥२७॥उभजे॥गर्व॥२२८॥सा
जा॥पूर्णता॥३३२॥श्रोवणि॥निश्शान॥३३७॥चोहटा॥चावढि॥स्थानु॥

स्तंभ ॥३२॥ नसिलरि ॥ नस्लिनवी ॥३४१॥ किर ॥ निश्चय ॥ साई खेउ ॥ क
व्हासुत्रा बाहुलि ॥४३॥ फुउ ॥ रवेरे ॥४४॥ सुये ॥ घाली ॥४८॥ काटावे ॥
ताजवा ॥४९॥ सस्यांलि ॥ धान्यांलि ॥२५१॥ पाहले ॥ प्रकाश ॥५४॥ उ
पवे ॥ नवाहउ ॥५८॥ उरकेले ॥ वेगळे ॥३६५॥ पेठे ॥ प्रवेशते ॥६६॥
अतिक्रमणे ॥ जिंकणे ॥३६९॥ निरुति ॥ स्पष्ट ॥३७०॥ रखवळन ॥७३॥
चां गावे ॥ सौंदर्य ॥३८६॥ सोपान ॥ पायऱ्या ॥४०० ॥ निस्कर्ष ॥ सिद्धांत
॥४०५॥ इति चतुर्दशोध्याय: संपूर्ण श्रीकृष्णार्पणमस्तु ॥ ॥ ॥ ॥

परिभाषा श्रीगणेशायनमः॥चोफळोनि॥संकल्परहित॥१॥कुस्मळी॥कळई॥ तानेश्री॥२
॥२॥अबोट॥शुभ्र॥३॥आंगार॥सुवर्ण॥निवळुन॥स्वच्छकरण॥४॥मा
दबहळ॥सुवास॥बहुत॥मुकुळ॥कमळ॥६॥अन्मेरव॥तान॥२७॥प
साय॥प्रसाद॥वोळंगन॥सेवीन॥२८॥येरि॥मोहरा॥येकीकडे॥४१॥चा
गावे॥चातुर्यपण॥उपलविजेल॥नकळिजेल॥उरकणिजो॥आयकीजो॥
॥४४॥रख॥वृक्ष॥४८॥रगटुळ॥हिरवे॥५६॥निगहिले॥निद्रीस्तिले॥किरा॥
निश्चय॥५७॥मेर॥विस्तार॥जमा॥५८॥माहोउ॥समुदाय॥६०॥विटंक॥
घनवहाट॥६२॥विन्यासे॥विस्तार॥६६॥हिये॥हृदय॥आपिला॥संपन्न॥
॥६७॥सुरा॥फुरे॥६८॥थेकुले॥थोडे॥रेवव॥आलिंगण॥६९॥उरला॥अलि
कडे॥७५॥दुसरा॥दोपहरि॥पासिरा॥माळा॥संसारा॥संसर्ग॥७६॥आर
अंकुर॥७९॥थावलि॥स्थिरावली॥८३॥मांदुस॥पेटी॥दुस॥अटोपुन॥८॥

मु॰ धा॥ मुकवत॥९६॥ चोपसि॥ चहुकडुन॥ खोलावलि॥ विकसलि॥९२॥ बे
चाळ॥ अम! यदिचाळ॥९३॥ वाल्हे॥ डुल्ले॥ मध्वलि॥ पुरुषपुत्र॥९४॥ बेच्य
डिर॥ असारे॥ ॥१०७॥ कावेरे॥ नजरबंद॥ उससे॥ उल्हासे॥ आ
र॥ आगारे॥१०९॥ डरवा॥ बोली॥ रुरव॥ वृक्ष॥१११॥ उगरु॥ उरउनाव॥१९॥
फुल्लि॥ संयोग॥१२०॥ उमलल्लि॥ विकाशलि॥१२५॥ राग॥ बन॥२६॥ सउले॥
सल्ल॥२७॥ वेश॥ विस्तार॥२८॥ सल्ले॥ वाळलेकाष्टे॥२९॥ भिंगुलि॥ भव
रा॥ निधिय॥ स्थिरभ्रमण॥१३६॥ सहसा॥ अकस्मात॥३८॥ सिनसाळ॥
क्षणिक॥१४०॥ उरिव॥ बोली॥४३॥ पादप॥ वृक्ष॥४४॥ सासने॥ संचने॥
॥१४७॥ अनगट॥ कठिनत्व॥४९॥ टके॥ प्रतिमा॥१५१॥ सुलाव
हवावे॥ सुखसंपन्नता॥१६१॥ मांहोडे॥ समुदाय॥६२॥ खणुवाळे॥ तिक्ष्ण
प॥६५॥ कावारा॥ कोवळिक॥१६९॥ उन्मेरव॥ ज्ञान॥ तिरव॥ तिक्ष्ण॥ बा

॥आ१५॥

परिभाषा ॥ बळेजोणि॥ सधनविस्तार होवोनि॥१८॥ धारसे॥ बाव॥ निबिड॥ ज्ञानेश्वरी ॥ १८॥ सहसा॥ अकस्मात॥ टका॥ चित्ते॥८९॥ विताने॥ पाजरति॥
पिंजारति॥१००॥ अनगटि॥ कठिणत्वे॥ तीख॥ तिक्ष्ण॥९२॥ रागे॥ प्रा
ति॥ लोहवि॥ हिरवी॥९५॥ गुढले॥ गुंडाळले॥ मादौउ॥ समुदाय॥१९७॥
माळोवाळि॥ चहुकडोन॥९९॥ अनगटी॥ कठिणत्वे॥२००॥ वोवांडले॥
वाढल॥१॥ विवळ॥ विस्तारबोली॥२१०॥ दोषे॥ उध्येषे॥१५॥ शरा॥ ससे॥
विशान॥ सिंगरवे॥ आकान्त॥१६॥ दुगळ॥ दोनगळ॥१८॥ टवाळ॥ लटके
॥२२७॥ पढियासे॥ आवडे॥३१॥ आपजे॥ उपजे॥२४०॥ लाघवि॥ बाजि
गर॥ हरिमेखळा॥ दृष्टिबंधकरिता॥४१॥ टिक॥ चेष्ट॥४४॥ सडि॥ कोउ
न॥४५॥ डांग॥ कांटी॥२५१॥ डोंगि॥ डोंग॥ दांग॥ वन॥ वाहाळ॥ नाला॥५२॥
जचे॥ श्रमे॥५२॥ सनाने॥ आवेश॥२५१॥ उपवढत॥ खेवो॥ जागे॥ जाल्या

२२

वेळेस॥२६४॥ईदंतेसि॥देतासि॥वाळले॥येगळजाले॥उहारले॥शोभले॥
॥६७॥बोथंबा॥आश्रय॥बडिंबा॥बडिवार॥२७६॥उभगले॥आसले॥७७॥
कडा॥पर्वतदरडि॥७८॥नागवलि॥नसापडति॥वेटाळु॥धरापास॥२८६॥
परिखे॥पखि॥८८॥उपवट॥जागाजा ल्यास॥२९४॥बोसावला॥उनापेउ
ला॥३०३॥असंघउ॥असेहोते॥४॥कडवसा॥अंधःकार॥३१२॥रुश्च॥
तारांगणे॥३१४॥डिडिमा॥शोभाप्रकार॥१५॥श्रोत॥नदिनद॥१७॥पसा
वो॥प्रसाद॥३२१॥बुसाविजो॥समजाविजो॥२८॥अराचवाराच॥वरेव
वर॥३३१॥अफजता॥उपजता॥३३॥गमसिजेल॥उकारासपेईल॥३५॥
सुनिघालुनि॥अले॥आले॥३६॥बोन॥खाले॥३७॥बागे॥पागे॥३८॥
येताळे॥सापडे॥३९॥किजाळ॥जाग॥बाणिवर्ण॥सोळे॥सुवर्ण॥३४१॥
फुडे॥खवर॥४३॥धारा॥प्रकार॥४६॥लोहिवा॥तांबडा॥३४९॥पवज्या॥ २२

सन्यासि॥३५३॥वागांरा॥सारिखेपन॥३५६॥हेस्या सुकरि॥

॥३५९॥आथिला॥संपन्न॥३६२॥लाडि॥फजज॥३६४॥सायरवेडी

फळासुत्राचिवाहुली॥३६५॥मावळतेनी॥अरत्त होतेनि॥३६६॥

मोटके॥थोडसे॥३७४॥रुख॥वृक्ष॥३७७॥अन॥दुसरे॥३८१॥अ

नियाळे॥वायुयोगे॥३८३॥नाडर॥साचलेपणि॥अपईते॥आ

पुले॥उगाणा॥उपदेश॥३९२॥जोतश्ना॥द्रवशक्ति॥४००॥पासु॥

पृथ्वि॥४०१॥कहा॥नाभिस्थान॥४०७॥उरिव॥युक्ति॥४१४॥किर

निश्चय॥अनारिसे॥प्रतरणा॥४१५॥टि॥ठिकान॥४२३॥टिकेली॥

उन्मतता॥४४२॥सिने॥वेगळिक॥५८॥किजा॥जाक॥४६४॥विरंगुळा

३६

अउताळा ॥ ६५ ॥ निरुता ॥ स्पष्ट ॥ ४७० ॥ सविया ॥ सहजें ॥ राचिंखरेपनेंक्त
टिके ॥ ४७१ ॥ नान्मा ॥ अळंकार ॥ भंगार ॥ सुवर्ण ॥ ४८१ ॥ दोंग ॥ वन ॥ ४८३ ॥
सज्जार ॥ अधरुग ॥ ४९० ॥ सांदे ॥ ठाइं दे ॥ ४९१ ॥ अतला ॥ अनुसरला
॥ ४९७ ॥ मोटका ॥ थोडासा ॥ ९९ ॥ खोकेर ॥ फुटके ॥ ५०० ॥ पासुता ॥ प
च्छीपन ॥ ५०५ ॥ निष्कर्ष ॥ सिद्धांत ॥ ५२१ ॥ उदावादा ॥ परिपूर्णता ॥ २३ ॥
थेकुले ॥ थोडे ॥ ६३ ॥ परगुणे ॥ बाहुनेरा ॥ ६५ ॥ साडेपन्नरे ॥ सोने ॥ ६६ ॥
अनवय ॥ उन्नति ॥ ५६७ ॥ भजिनला ॥ समजला ॥ पकबंकी ॥
यकपन ॥ ६९ ॥ शब्दब्रह्म ॥ वेद ॥ ५७१ ॥ उनकर्णी ॥ अपकिली ॥ ७५ ॥ पुढि
लाउगाणा ॥ डुसऱ्यासे उपदेष ॥ ७९ ॥ सुदला ॥ साटविला ॥ ८० ॥ उन्मेख ॥
ताना ॥ ८२ ॥ विधु ॥ चंद्र ॥ ८८ ॥ विन्यासे ॥ विवरण ॥ पुंज ॥ तेजराशि ॥ ९१ ॥ रीति
पंचदशोध्याय संपूर्ण श्रीकृष्णार्पणमस्तु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ३२

॥उआ१६॥

परिभाषा श्रीगणेशायनमः॥ विवळलिय बोलनीपे लवळे प्रातःकाळ अविसाळे घर ॥३॥ आशाकडी लुब्धला मिथुन ऐक्यता॥६॥ पाहलीये उदये॥७॥ उन्मष ज्ञानदि पले प्रदीप्त दांग चन॥८॥ मंदावोलागति सुकाळ होती॥१२॥ उरवाप्रकाश॥१५॥ चोंगा वया चांगुलपनास॥१८॥ सुनि घालुन॥२०॥ उपसाहावे क्षमाकरावे॥२१॥ कीर निश्चय॥२२॥ श्लेष उपमा कांटाळे ताजवा॥२८॥ धनि लप्ति॥२७॥ पसाय प्रसाद सुलावे सेवाचे॥३१॥ असाधारण मोठेंट॥३३॥ आडवी अरण्यात॥३४॥ नावानीगी किर्तिविख्यात दाहुगि दक्ष॥३५॥ यानवसे सायासे॥३६॥ रव आकाशालुरबन तुस खावने ॥३९॥ विषद स्पष्ट॥४०॥ उगाणिला उपदेसिला॥४१॥ आगलिना आंगे पाहुन सिद्धांत ॥४२॥ उपहिल अविछिन्न॥४३॥ आलुवट बकट अंगदट ठासर मोठे चावळला बोलिला॥४५॥ निरुपम प्रसने॥४६॥ उवावो उत्सावो॥५१॥ जितासु जाणते॥५२॥ विलविरुद्ध॥५७॥ साउमा तकाच सागीव पास उवावो संतोश॥६२॥ सियारि भयकंप॥७०॥ ओतसणि तसी॥८०॥ मुकमास॥८२॥ विलुटनी वेगवाले पारकया पाणिनिवळावपा

तानेश्वारे

३४

गे

षधी ॥ ९० ॥ मत्याहार अंतरदृष्टि ॥ ९१ ॥ अलोचे पाहणे ॥ ९८ ॥ अभिज्ञु जाणता ॥ १०० ॥ अ
लोच पाहणे ॥ ११३ ॥ मुकुळ पुष्प ॥ ११६ ॥ कोराळे निबरखडक ॥ ११८ ॥ बिके अधिक्य ॥ १२० ॥
गोरि पारधी पाखाळी पक्षी ॥ १२२ ॥ कुमार यमनच ॥ १२९ ॥ कदर्थविल दुःखविल ॥ १४२ ॥
माहेवणि विटाळसी ॥ १४५ ॥ निन्म खोलजागा पुढीलदुसरा ॥ १६० ॥ अरारले उपेगा
सेंऔले ॥ १६२ ॥ राजीव कमळ ॥ ६४ ॥ वाहणि अगमने ॥ ६५ ॥ गरिमा मोटेपन ॥ १९१ ॥ नि
वॅाळुन स्वछकरण ॥ ९८ ॥ पादप वृक्ष ॥ २०० दिये दिवस ॥ २०३ ॥ ओडवंगी अटकाव ॥ २०४ ॥
निर्विषा विरक्त ॥ २०९ ॥ बासटु घालक ॥ २१७ ॥ गारा चिखल ॥ १८ ॥ वानिले नासले ॥ २२२ ॥
आंबुखा अलंघ्यलि सुजे सुटे ॥ २५ ॥ माडुरिलोक पागेचेखासदार ॥ २६ ॥ पानियाउ लळे
॥ २९ ॥ स्पृहा ईछा अस्पद स्थान पढिये आवडे ॥ २३ ॥ टिटिभे टिवटिवी ॥ ३५ ॥ पुढिला
चे दुसऱ्याचे ॥ ३७ ॥ नालला तापला ॥ २३९ ॥ सवळे प्रातःकाळ दुदुळु दिवा मिल ॥ २४० ॥
नाराज लिराच्यो अन्या ॥ ४४ ॥ दर्विपळि ॥ ४९ ॥ खिचटे मिश्रअन्न ॥ २५२ ॥ पडिघातीज
माहोता ॥ २५९ ॥ सातवेळ लांउगा ॥ किंवासा ताकाउपाचा विंचु ॥ २६० ॥ आंबुखा
समुदाय ॥ २६२ ॥ पाउठी पायरि ॥ ६३ ॥ उखाप्रकाश ॥ ६६ ॥ उवाया संतोषास ॥ २७१ ॥

३४

॥ आ १६ ॥

परिभाषा॥ उपलउ उकलु स्वादशाह्ल माल्हाति अंगीकारी॥२७८॥आवेषा अभिषा॥२८३॥करेउ ज्ञानेश्वरि
र॥२९४॥उथवणि धुवारे॥२९५॥चांप्वी दप्याचर्वी॥३१५॥ नास्तिकपणा नाहीपण॥१६॥
अउदर भय॥१७॥उनमध्ये अमंगळ नासिवंत सुलाउा कुशळा॥१८॥दोषे उच्चेषे॥३२०॥
विरु विरद्ध॥२२॥धर्मधेनु हराळी॥३३०॥निम्न खोल॥३२॥मचपि मोजवणि॥२२३॥
स्तुनि प्रवेशुनि॥३४॥अश्लेषावे आळिंगावे॥३५॥खोलने चाकरि जागोवा जागरठा
णांतर पुध्यांलिखेत॥३४१॥ढेमे ॥३४२॥खोचारा टोचापाचिशत्रे॥४६॥अ
भिच्यार जारणमारणादिक॥३६१॥माजिरा उन्मत॥६२॥गगनोळे गगणपुष्पे॥६४॥
चावळति बोलती॥३६५॥वेलरिया कंटकवेल्ली॥६८॥रोहो प्रवृत्ति॥६९॥धावे प्थिरा
वा॥२७२॥लालतालतेली तपतेलि॥७४॥शेल श्रेष्टत्व॥७६॥आहण हाणिनानि॥७७॥
उधवले उजविले॥३८०॥भोकसा चर्म॥८७॥औ धपत्व उद्धटपणा॥३९२॥पळिपे प्रदिप्त
॥३७४॥९५॥सवेशा स्वेछा॥९८॥बासट अनयदि स्तुती टोचिती कोंडे शार॥४०५॥अ
उवा अरण्य॥९॥पेदळी त्वचा॥४११॥उसास पिसावा॥१६॥विशि तिरस्कार सळे ग

३५

यपावे ॥४१०॥ याउर वारिट ॥४२३॥ आसलग अभ्यरति ॥४३०॥ डिउिमा शोभा ॥४४४॥ गोसा
वी स्वामि ॥४५॥ जबेउ पालथे ॥४५२॥ अहीक इहलोक ॥५४॥ घापे घाली ॥४६०॥ निगा
वा परिणाम ॥४७१॥ बहुउा वृद्धी ॥४७६॥ इति शोडशोध्यायः संपूर्ण ॥६॥६॥६॥६॥

॥अ॥१७॥

श्रीगणेशायनमः ॥ अजिला अटकित पडला ॥२॥ सुयो घाली ॥१३॥ विपाय अक
स्मात ॥२८॥ चित्त घुत्त छारहीत ॥३१॥ परेव पक्षि बिर्‍जिया सास्यता ॥३७॥ संवाह
न सास्यता अपादान अप्राप्ति ॥३८॥ न खिशाखउ रखि उर्मि ॥३९॥ सविया सहजे ॥४०॥
बिके पिके मागावे माग ॥४१॥ पडिकर ओळसउ अरखम अध्येम ॥४२॥ किउ डागसो
वे सुवर्ण ॥५४॥ खाचलि खचलि उन्नति वृद्धि ॥५७॥ विपाय अकस्मात साद प्रति
ध्वनि ॥६३॥ त्राय सत्ताप्रतिष्टा आकर्षजाय वाडितजाय ॥६४॥ सितरी उसरिला
से चिन्ह ॥७२॥ लिंगी चिन्ह ॥८२॥ नलोढु नअभ्यास ॥८५॥ सुवार स्वयपाकी ॥८९॥
प्रणतिया देवतास ॥९५॥ चेढे गळउ जरिया निश्चय साधरिया सत्तक ॥९७॥ पडि

३५

परिभाषा करसुखिवानवशोवळचनी खालेघराच्या॥१०१॥उअउव अरण्य॥२॥पुडलीठसिती ज्ञानेश्वरि
रुंजदगड॥१०३॥मेचुमेधा॥२८॥उससेउल्हासेदेहाचिदेहा दिवसेदिवस॥१२१॥उन्न
तिवद्धि॥३२॥पेकु उवासेसंतोष॥१२५॥हासट बळकट॥१२९॥वावदळदंत
सावळु मोठीपाहारजाउलाप्रवेशला॥१४२॥लवघालाळ॥४८॥सुतलेनिजले
॥१४९॥विसुरा ॥५१॥कुहिलेसउले॥१५३॥गाभिणे जलुपउले॥१५८॥अ
बुखा सिंचैलो॥१६०॥उतान्ही रिछा॥१६२॥मेचुआवडी॥६३॥सिन्लाउुसरा॥१६७॥
निगाद्रिष्ट॥१७२॥ॐगेष्टिअष्टांग॥३॥पाहाचापहाचा॥१९२॥उळिगसेवाश्रम॥२०१॥
त्तपियाआज्ञाधारक॥२०२॥घुमरिउत्कर्ष॥२१२॥सुरसुरिभागीरथी॥२९॥व
हुरपिगाभिणि॥४७॥दउंगीउवाळ्ळा खालवलीबाव्ळवीजळतभितजळतकाष्टी
॥२५५॥सुताघालिता॥२५९॥वाफसमयपांगअगत्य॥२६६॥भांगारसुवर्ण॥६७॥

३५

उन्नति उत्कर्ष ॥२५८॥ संवाहन ॥६१॥ साउ प्रतिध्वनि ॥२७८॥ वसो बोले बु
रखवरे ॥२८७॥ तुमचे नउगवे ॥८१॥ सुंजावे लोगावे ॥२८७॥ सासुरे स्तुरे ॥२९१॥ वसो
टे । वास्तिस्थान दागा ने वने चो हटे चावढी ॥२९२॥ मातंग मागं गवादी गोदानादिध
नी ॥२९८॥ विपाय अकस्मात ॥२९९॥ वरवासे व्यर्प्प ॥३०१॥ अंटच ॥३१॥ थ
लिव अंळंकार अउकैव अटक ॥३४२॥ चावळे बोलिले ॥३५४॥ अउव अरण्य ॥५७॥ मां
उवे अप्यरस्थ ॥३८७॥ सा वारिला सात्यजाला ॥३८९॥ अखेर तुकी रा त्रस्य हर्षी ॥३९८॥
वोर कलि कसवटी ॥४०५॥ आहिकीचे ऐहलोकीचे ॥४१९॥ धांदा बखेज ॥४२७॥ कलु
षदोष ॥२१॥ नाराच तीर सुनी घालुनि मवनी या मोजनी ॥४२३॥ रीति सप्तदशो ध्या
या ॥ संपूर्ण श्री ऋष्णार्पणमस्तु ॥५॥५॥५॥५॥५॥५॥५॥५॥५॥५॥

३५

परिभाषा श्रीगणेशायनमः॥ कौतुहळ खेळाडी चिरळ केलि क्रिडा॥ ४॥ ज्ञानेश्वरी

पाईक सेवक॥ २२॥ घापत्तासि घालितासि॥ २३॥ त्रिवर्ग धर्मअर्थकाम

अणुकार लघुआकार अडव राणपरिस प्राकार आवार॥ ३६॥ गाडो

रापायाची गडद॥ ३९॥ अपणि पाहलपण॥ ४०॥ पन्हर सोने॥ ४५॥ पडघा

णिय गाचिगिलावा सोनडि माडणि॥ ५०॥ सिनाने वेगळाले॥ ५१॥ कु

तआल्याचि अणि खेव आळिंगण बान लान खेउ ॥ ७१॥ दुवाडे

दुस्तर॥ ७२॥ विपाय अकस्मात॥ ७३॥ अवसरि अयोग्यता वारि पेरहा

र॥ ७४॥ पांग खटपट॥ ७५॥ चावळली बोलिली॥ ८०॥ दुस प्रमय॥ ८१॥

चिशादु गोप्य॥ ९५॥ किर निश्चय॥ ९७॥ चिवळ प्रांजळ॥ ९९॥ राजागर

बाग॥ १००॥ अवसान अकस्मात कोंउ नीर॥ ११०॥ चेपिल्या दाबिल्या॥ १॥

३७

दि दिवस किउ अग बाकि वर्ण ॥१२७॥ बेजे रर्म ॥१४०॥ भाणे पात्र ॥१५०॥
सावाय साख्यत ॥१५९॥ रुसे त्याग ॥१६५॥ निरहरे ॥१७०॥ जचे
सिने ॥१७७॥ दुवाउ उत्तर ॥१८०॥ आणे लाट पापरा पापीन हल्या ला
णितल्या ॥१८०॥ उभजे कष्ट मानी ॥१८४॥ खणुवाळे लिक्षण ॥१८६॥
अउव अरण्य ॥१८७॥ सुभे सोउी ॥१९५॥ पाहाले प्रकाश ॥१९६॥ उरस्या
दु गोउी ॥२०५॥ उगर मोठनाव ॥२०७॥ उरातले आले ॥२२४॥ धाउणे
विसरणे ॥२२१॥ सिरके धसे ॥२२४॥ स्त्रनी घालुणि ॥२४१॥ फरसाळे वे
गळा स्वाद ॥२४५॥ दागवण सामान्या बहिक ॥२५०॥ फरारि
निधन मृत्यु ॥२५१॥ वस्तोसी वरचेवर खांचे मोउे पाहालया प्रकाश
जाल्या ॥२६३॥ विजावळी विसंगती ॥२६५॥ सिनी वेगळी ॥२७२॥ वि
पाय अकस्मात ॥२७८॥ उंगुरबी दवउी ॥२८१॥ खोलणे स्वाधिन ॥२८४॥

३७

से स्मृती उभगलि विमुख जाला ॥२९१॥ बेहो मियो हसला त्सजिता ॥२९४॥
ला हणे ठेवी ॥२९९॥ किर निश्चय मेचु जिंकणे ॥३०१॥ पुढारलो प्रवर्तलो ॥३०३॥
दळवाउ समुदाय ॥३०५॥ देवो दिवस ॥३०७॥ जरुन श्रमून ॥३१७॥ किं बहु
ना बहुकाय सांगु ॥३२०॥ नाउर विल्हर ॥२२॥ कोमठा दुकान ॥३५८॥ वेरणा
पाजनिस ॥२६०॥ अवसात दिवसावर ॥५४॥ विपाये अकस्मात ॥३६८॥ बि
साट मोकळे ॥२७५॥ आतली जाली ॥२८॥ उमपा अपार ॥ मकिजे मोजि
जे देहाले दिवसोत रुरुळ दिवाभित ॥२८५॥ घापे घाली ॥३९१॥ कळासे बाध
ला जाय ॥३९२॥ पुसा रावा ॥३९३॥ धांदा वैभव त्राय सत्ताप्रतिष्ठा ॥४०७॥
सुरंग विवर ॥४०९॥ वेटला हठ जाला ॥४१०॥ आव कर्तुत्वजनम ॥४१२॥ उ
न्हावो भरलेपन ॥४१३॥ ठिकरिया कुटके रा तूळ तिवे ॥४१४॥ ठाको रिर
मा तपउला मवावे मोजावे ॥४२१॥ उव्वगी चाकरि ॥४५८॥ मठ संकोचत्व

॥४६३॥ केकाणे घोडे ॥४६४॥ वावटे प्रचेरो ॥४६५॥ गुढा ध्वज ॥४६८॥ बगा
मार्ग ॥४६९॥ स्नूलघाली ॥४७०॥ लानी मर्यादा सस्य धान्य ॥४७५॥ ठिनु काम
॥४७६॥ वोवांडे डेडे ॥४८८॥ वोरकलु कसवटी ॥४९२॥ विकपु भूस वायो वा
यो ॥५०४॥ स्नमीप पृथ्वि ॥५०६॥ उवाईला उत्साहा सपावला ॥५११॥ देवो दिवस
॥५२१॥ अंके चिन्हे ॥५२४॥ उगाणा उपदेश ठीकरियादु कुडे ॥५३१॥ पौळी आवार म
हिरवळी पृथ्वि अरण्य वघ्याळी सिकार ॥५४१॥ उआतले निश्चयास आले ॥५४७॥
बोहिकरि बहिस्कार ॥५५०॥ भवे भ्रमे ॥५५१॥ निरोपिले बोळविले ॥५५२॥ बोहरि
उरान्नि ॥५५५॥ वोशाळ निर्लज्य ॥५७८॥ परिष्वंग अलिंगण ॥५९८॥ राबळ सा
मुग्रि ॥५९३॥ उन्नति उल्लास ॥६००॥ फडे खरेदुवाउ इत्तर ॥६०१॥ पाटाचे पट्टाचे
॥६०३॥ दोषे उद्वेष ॥६०७॥ चिंचबेने भ्रमने ॥६०९॥ सार खवरुरा खांडी ॥६१३॥ दो
षे उद्वेषे ॥६२१॥ उवावो संतोष आवो प्राप्ति ॥६२२॥ बिसाटे सैराधावे ॥६२४॥ बा

परिभाषा वनया सुगंधीक ॥६३१॥ नुमसे नमानी ॥६३४॥ नबनये न सिद्धवे ॥६४०॥ सलेंच ज्ञानेश्वरी
अल्प ॥६४२॥ सिद्दता नाशीपावविला ॥६४६॥ वसोठा वास्तिस्थान ॥६५०॥ आसल
गुलुगमरोहो प्रवर्तति ॥६५२॥ उपरखे खर्च अरोचक अरुचि ॥६५७॥ मोळ कोटे
॥६५९॥ याय मर्यादा ॥६६७॥ वोयरिले प्राप्त जाले ॥६६९॥ आनलो वरपडा जाला
॥६७०॥ कलाळी अभिलाषि वोळि आकर्षि पण्यांगना ॥ ककातिन ॥६७२॥
टिटिघर तिवढ़िवाधी ॥६७३॥ दुहस्थि ॥६८१॥ शुचा अभिव्यास ॥६८७॥ मदवी
वस्त्र ॥६९०॥ मांउली ... सन घालुन ॥७०४॥ प्रवाहणे नाव ॥७०५॥ आंबु
खव लिंपणे ॥७०९॥ उरव्हा वेगळे ॥७११॥ विपाय अकस्मात मोहो समुदाय ॥७२१॥
अउव अरण्य देवो दिवस ॥७२४॥ सरते निश्चय ॥७२८॥ गुढे वेढे ॥७४०॥
मढी कळिका ॥७४२॥ जगाणाति प्राप्त उपदेश ॥७४३॥ वासिपे भय ॥७५१॥
दासट कठिन ॥७७१॥ भासके कालजी ॥७८३॥ बोहपि आरंभी ॥७८४॥ सार
स चक्रवात्म्य ॥७८५॥ भापा पात्र कोल्लिला चाकर ॥७९०॥ उपटला अपटला

धाउिली बाहेर घालला ॥१०७५॥ माटुळे खुरे ॥१०८३॥ चावदसि चतुर्दसी वानी
सोने ॥१०८७॥ पृथ्पा अनुभव ॥११०९॥ पेडवळे मर्यादा ॥११०७॥ दिदिवस ॥१२२७॥
धउधाद निरवयव आकाशावल ॥११३७॥ लुटतु लोळतु ॥११४८॥ उपहीत आपुले
हिल ॥११८७॥ धाउिले पूसिले ॥१२१२॥ उवावो उत्साहो ॥१२२०॥ अउव आरण्या
त ॥१२२१॥ जत्वावे अभावे ॥१२२५॥ वसुधा पृथ्वि ॥१२२७॥ चागावे उत्तमत्व ॥१२३०॥
चोखवोळ्वि उत्तमत्व ॥१२४७॥ नाहि नाही ॥१२४९॥ विपाये कदाचित ॥१२५१॥ बावे
णे चंदन धुरे लिंगण ॥१२५३॥ पाचिक आग सोळे उत्तम सोने ॥१२५४॥ घापे घाली
॥१२६५॥ भुंजिजती भोगीजती ॥१२७०॥ सावाय सास्पता ॥१२७१॥ नैसर्गिक
आवांतर ॥१२८१॥ दिवागण निश्चय ॥१२८४॥ धाहा वैभव ॥१२८६॥ कडवसा
अंधःकार ॥१३२५॥ बापया चातक ॥१३४२॥ विखो विषयो ॥१३४६॥ गोभागोमा
॥१३६५॥ आधि मनोव्यथा ॥१४४६॥ खून घालुन ॥१४९१॥ परिष्वंग आ
लीपनके ॥१३६५॥ आधि मनोव्यथा
कोगवा ॥१४१२॥ राहुरासा वेद ॥१४३१॥ खांगे स्थळ ॥१४४२॥ अउ मत्वांतरे ॥१४४५॥

ताकावे पावावे ॥१४५१॥ आत्मनिश्वास पद ॥१४५४॥ अनवसर अनधिकार ॥१४५८॥
चोहटा चावडी गवादी धर्मशाळा ॥१४६१॥ सजवने दोहणे ॥१४८३॥ संसाटी सम
त्व ॥१५११॥ चाहाळि वाहर पाहाळी प्रसर ॥१५११॥ परगुण पाहुनचोर ॥१५२३॥ व
नोके वनचर ॥१५३१॥ उन्नति वृद्धि ॥१५३६॥ उगाणिले उपटाले ॥१५४१॥ वोळु
नदुषिले ॥१५४२॥ वोल वाघ ॥१५५५॥ अलत दाटत विरजे सात्त्व ॥१५७०॥ कुससी
ची स्वासाची ॥१६०६॥ चाचर मेदा चोहटा चावडी ॥१६०७॥
समघर्ष सवंग ॥१६॥११॥ पाटाचे पट्टाचे ॥१६१२॥ काश्मिरे पोरगान ॥१६१५॥ सं
दे कंप ॥१६१९॥ उरवष्टंभ साधन पुस्तक ॥१६२३॥ पाहालपा दिनोदय ॥१६२६॥ भिं
गुळवाने अपदायक ॥१६२७॥ उत्कळित कलह ॥१६२८॥ जोईस बुद्धि ॥१६३१॥
कुठ खरे चेपडका चादिने ॥१६३२॥ बिसाट मोकळे ॥१६४६॥ ध्रुव निश्चय ॥१६५७॥
अंकुश अहंकारित ॥१६५१॥ स्तनी घालुनि ॥१६८०॥ घट मोठी तागडी ॥१६८४॥
चावळली बोलिलि ॥१६९७॥ उन्मेख ज्ञान ॥१७७१०॥ घंटा समुदाय ॥१७१२॥ पुरवणि अग ॥१